NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 13 अंकः 167 लखनऊ, मंगलवार 30 जनवरी 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

मोदी सरकार का बड़ा कदम, यूएपीए के तहत सिमी पर पांच साल के लिए बढ़ाया गया बैन

एजेंसीं

नई दिल्ली स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर पहली बार भारत सरकार ने 1 फरवरी 2014 को प्रतिबंध लगाया था। 2019 में प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया था। 1977 में यूपी के अलीगढ़ में स्थापित यह संगठन भारत को इस्लामिक राष्ट्र में बदलने के एजेंडे पर काम करता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने सोमवार को स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर यूएपीए के तहत गैरकानूनी संगठन के रूप में प्रतिबंध ा पांच साल के लिए बढ़ा दिया। गृह मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) को यूएपीए के तहत पांच साल की अवधि के लिए गैरकानूनी संघ घोषित किया गया है। सिमी को भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को खतरे में डालने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल पाया गया है। स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर पहली बार भारत सरकार ने 1 फरवरी 2014 को प्रतिबंध लगाया था। 2019 में प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया था। 1977 में यूपी के अलीगढ़ में स्थापित यह संगठन भारत को इस्लामिक राष्ट्र में बदलने के एजेंडे पर काम करता है। सिमी को पहली बार 2001 में एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया था और उस पर कई बार प्रतिबंध लगाया गया था। सिमी के सदस्य देश में कई आतंकी हमलों में शामिल रहे हैं, जिनमें 2014 में भोपाल जेल ब्रेक, 2014 में बेंगलुरु में एम चिन्नावामी स्टेडियम विस्फोट, 2017 में गया विस्फोट शामिल हैं।

पीएम के मार्गदर्शन में अयोध्या में स्वच्छ जल मुहैया करा रही है योगी सरकार

संवाददाता।

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यूपी के हर घर तक नल से जल पहुंचाने में योगी सरकार शीर्ष पर है। सूबे के सभी जनपदों में इस दिशा में तेजी से काम भी किया जा रहा है। रामनगरी में भी योगी सरकार दो लाख 97 हजार से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाने की सारथी बनी। स्वच्छ पानी से काफी हद तक बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकता है, इसी सोच पर कार्य करते हुए यहां 2203 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट स्वीकृत हो चुके हैं, इनमें से 1793 करोड़ रुपये खर्च कर अयोध्या के घर–घर तक योगी सरकार स्वच्छ जल भी मुहैया करा रही है। साथ ही शेष बचे घरों में भी स्वच्छ जल मुहैया कराने की तैयारी जोरों से चल रही है। यही नहीं, इन

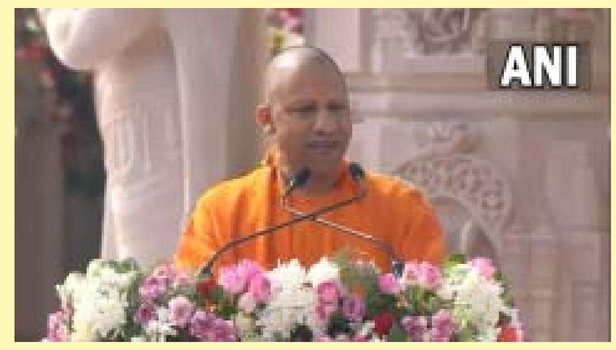

कार्यों के जरिए योगी सरकार की प्राथमिकता गांवों में युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर स्वावलंबी बनाना भी है। योगी सरकार ने अयोध्या को दिव्य–भव्य व नव्य नगरी बना दिया है। प्राण–प्रतिष्ठा के उपरांत यहां पर्यटकों की आमद भी काफी अधिक हो गई है। इस भव्यता के लिए सीएम योगी ने सभी विभागों को लक्ष्य दिया था। पर्यटन हो या संस्कृति, विकास प्राधिकरण हो या नगर निगम, हर विभाग को टास्क देकर उन्हें सर्वोच्च परिणाम देने का निर्देश सीएम योगी की तरफ से दिया गया है। इसी क्रम में अयोध्या में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से भी युद्ध स्तर पर कार्य किया गया। यहां 3,44,708 ग्रामीण घरों में से 2,97, 788 घरों तक कनेक्शन पहुंच गए हैं। अभी तक 2203 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट अयोध या के विकास के लिए दिए गए हैं। इसमें से 1793 करोड़ रुपये के कार्य कर इस योजना को मूर्त रूप दिया गया है। एफटीके से जांच के लिए अयोध्या की 5515 महिलाएं हुईं प्रशिक्षित महिलाएं खुद ही पानी की शुद्धता की जांच कर सकें। इसके लिए एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) से उनकी मदद होगी। सिर्फ रामनगरी की ही बात करें तो अब तक यहां 5515 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर पानी की क्वालिटी चेक कर रही हैं। योगी सरकार का उद्देश्य है कि इसके जरिए आमजन को किसी पर आश्रित न रहना पड़े, बल्कि प्रशिक्षित महिलाएं ही इसकी जांच कर मददगार साबित हों। वहीं योगी सरकार की तरफ से ही दो महिला प्लंबर को भी प्रशिक्षित कराया जा चुका है।

केंद्रीय मंत्री दे रहे थे भाषण, मंच पर झपकी लेते कैमरे में कैद हुए बीजेपी विधायक

एजेंसीं

नई दिल्ली घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें मंच पर बैठे सूरसागर से बीजेपी विधायक देवेंद्र जोशी सोते नजर आ रहे हैं, जबकि उनके साथ मौजूद अन्य नेता भी झपकी लेने के कगार पर दिखे। विशेष रूप से नेताओं को उस समय आराम करते देखा गया जब कृषि और किसान

कल्याण मंत्री कैलाश चौधरी कार्यक्रम को संबोधि ात कर रहे थे और राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी मौजूद थीं। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक को जोधपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर सोते हुए देखा गया, जबकि पार्टी के कई नेता सुस्त दिखे, जहां केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी एक सभा को संबोधित कर रहे थे। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें मंच पर बैठे सूरसागर से बीजेपी विधायक देवेंद्र जोशी सोते नजर आ रहे हैं, जबकि उनके साथ मौजूद अन्य नेता भी झपकी लेने के कगार पर दिखे। विशेष रूप से नेताओं को उस समय आराम करते देखा गया जब कृषि और किसान कल्याण मंत्री कैलाश चौधरी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे और राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी मौजूद थीं। कांग्रेस हाल ही में विधानसभा चुनावों में राजस्थान हार गई थी, घटना का वीडियो साझा करने में काफी तेज थी। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लिया और क्लिप साझा की। उन्होंने लिखा, तस्वीरें राजस्थान के जोधपुर की हैं। पूरी सरकार सो रही हैश। मंच पर जोशी के अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा और जोधपुर दक्षिण महापौर वनिता सेठ भी मौजूद थे।

उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण को खत्म करने की हो रही साजिश, राहुल गांधी बोले– ऐसा होने नहीं देंगे

एजेसी।

नई दिल्ली राहुल गांधी ने एक एक्स पोस्ट ने लिखा कि यूजीसी के नए ड्राफ्ट में उच्च शिक्षा संस्थानों में SC ST और OBC वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को खघ्त्म करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि आज 45 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 7,000 आरक्षित पदों में से 3,000 रिक्त हैं, और जिनमें सिर्फ 7.1ः दलित, 1.6ः आदिवासी और 4.5ः पिछड़े वर्ग के च्तवमिवत हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उच्च शिक्षा में जाति–आधारित आरक्षण को खत्म करने के लिए आरएसएस–भाजपा की साजिश का आरोप लगाया है और कहा है कि कांग्रेस ष्ऐसा कभी नहीं होने देगीष। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का मसौदा दिशानिर्देश

उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश है। इस पर विवाद खड़ा होने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ध र्मेंद्र प्रधान ने रविवार को स्पष्ट किया कि एक भी आरक्षित पद अनारक्षित नहीं किया जाएगा।राहुल गांधी ने एक एक्स पोस्ट ने लिखा कि यूजीसी के नए ड्राफ्ट में उच्च शिक्षा संस्थानों मेंSC ST और ंOBC वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को खघ्त्म करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि आज 45 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 7,000 आरक्षित पदों में से 3,000 रिक्त हैं, और जिनमें सिर्फ 7.1ः दलित, 1.6ः आदिवासी और 4.5ः पिछड़े वर्ग के च्तवमिवत हैं। आरक्षण की समीक्षा तक की बात कर चुकी BJP RSS अब ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानों में से वंचित वर्ग के हिस्से की नौकरियां छीनना चाहती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने वाले नायकों के सपनों की हत्या और वंचित वर्गों की भागीदारी खघ्त्म करने का प्रयास है। यही 'सांकेतिक राजनीति' और 'वास्तविक न्याय' के बीच का फर्क है और यही है भाजपा का चरित्र। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ये कभी होने नहीं देगी – हम सामाजिक न्याय के लिए लड़ते रहेंगे और इन रिक्त पदों की पूर्ति आरक्षित वर्गों के योग्य उम्मीदवारों से ही कराएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा देश में हिंसा और नफरत फैला रही है। UGC के नए ड्राफ्ट में उच्च शिक्षा संस्थानों में SC ST और OBC वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश हो रही है।

कहां गायब हैं हेमंत सोरेन? दिल्ली में अचानक उनके घर पहुंची ईडी 31 जनवरी को पेश होने के लिए तैयार सीएम

एजेंसी।

नई दिल्ली झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि अफवाह फैलाई जा रही है कि झारखंड के सीएम फरार हैं। ये झारखंड सरकार को अस्थिर करने और कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब करने की कोशिशें हैं। सीएम ने पहले ही ईडी से 31 जनवरी का समय ले लिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा प्रहार किया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी की टीम दिल्ली में सरगर्मी से तलाश रही है। हालाँकि, अभी तक हेमंत सोरेन का कोई पता नहीं चल पाया है और यह स्थिति सवाल खड़े कर रही है क्योंकि एक राज्य के

मुख्यमंत्री ईडी के डर से गायब दिख रहे हैं। हालांकि झारखंड में मुख्यमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की है कि हेमंत सोरेन 31 जनवरी को ईडी जांच के लिए उपस्थित होंगे, लेकिन उनका ठिकाना अज्ञात है, जिससे सामने आ रही घटनाओं में आश्चर्य का तत्व जुड़ गया है। ईडी की टीम दिल्ली में बारीकी से हेमंत सोरेन की तलाश कर रही है। जबकि ईडी अभी तक हेमंत सोरेन का पता नहीं लगा पाई है, मुख्यमंत्री कार्यालय ने ईडी के समन का जवाब दिया है, जिसमें कहा गया है कि हेमंत सोरेन 31 जनवरी को दोपहर 1 बजे रांची में ईडी कार्यालय में उपस्थित होंगे। विशेष रूप से, ईडी ने समन जारी किया था भूमि घोटाले के सिलसिले में हेमंत सोरेन को 29 जनवरी से 31 जनवरी के बीच अपना बयान दर्ज कराने का निर्देश देते हुए ईडी ने चेतावनी दी कि यदि वह स्वेच्छा से उपस्थित होने में विफल रहते हैं, तो वे उन्हें लाने के लिए एक टीम भेजेंगे। झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि अफवाह फैलाई जा रही है कि झारखंड के सीएम फरार हैं। ये झारखंड सरकार को अस्थिर करने और कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब करने की कोशिशें हैं। सीएम ने पहले ही ईडी से 31 जनवरी का समय ले लिया है। ये अफवाहें सीएम हेमंत सोरेन के समर्थकों को भड़काने की कोशिश हैं, जिसके चलते ये राज्यपाल शासन लागू करना। ईडी का समन मिलने के बाद, हेमंत सोरेन 27 जनवरी को रांची के राजभवन में एक कार्यक्रम में शामिल हुए और फिर दिल्ली चले गए। उनके जाने के बाद ईडी की टीम उनका पता लगाने के लिए दिल्ली पहुंची है। जहां उन्होंने उनके आवास से महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं, वहीं ऐसी अटकलें हैं कि हेमंत सोरेन को आज गिरफ्तार किया जा सकता है। बताया जाता है कि वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने रविवार को हेमंत सोरेन से मुलाकात की है और सुझाव दिया गया है कि मुख्यमंत्री ईडी के समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सीएम सोरेन को आज ईडी के सामने पेश होने के निर्देश के बावजूद, उनका ठिकाना अज्ञात है, जिससे झारखंड में चल रहे घटनाक्रम को लेकर अनिश्चितता और साजिश का माहौल बन गया है।

फारूक अब्दुल्ला को लगा बड़ा झटका, पार्टी के कई नेता बीजेपी में शामिल

एजेंसी जम्मू पाला बदलने वाले नेताओं में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और कठुआ (ग्रामीण) जिला अध्यक्ष संजीव खजूरिया, अन्य पदाधिकारी और पार्टी के कई अन्य सदस्य शामिल हैं। खजूरिया ने नरेंद्र मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभाव की सराहना की और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला की पार्टी को झटका देते हुए जम्मू क्षेत्र में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के कई शीर्ष स्तर के नेता रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। पाला बदलने वाले नेताओं में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और कठुआ (ग्रामीण) जिला अध्यक्ष संजीव खजूरिया, अन्य पदाधिकारी और पार्टी के कई अन्य सदस्य शामिल हैं। खजूरिया ने नरेंद्र मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभाव की सराहना की और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की। वे भगवा पार्टी की जम्मू–कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना की उपस्थिति में जम्मू में पार्टी के मुख्यालय में भाजपा में शामिल हुए। पार्टी में नए लोगों का स्वागत करते हुए, रैना ने क्षेत्र या ध र्म की परवाह किए बिना लोगों के कल्याण के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। राणा ने कहा कि लोग मोदी सरकार में विश्वास रखते हुए भाजपा के प्रतीक को बहुत सम्मान दे रहे हैं। भाजपा ने हर क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण के लिए काम किया है। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कल्याणकारी कार्य करने से रोकने के लिए विपक्षी दलों ने इंडिया ब्लॉक का गठन किया। लेकिन पीएम मोदी की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के कारण उनका गठबंधन अब विफल हो गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, बुनियादी ढांचे के निर्माण और सामाजिक–आर्थिक विकास में भाजपा का योगदान और उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं। एक अलग कार्यक्रम में, पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता कविंदर गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का आग्रह किया।

नीतीश कुमार के यू-टर्न पर केजरीवाल का आया पहला बयान, बोले- यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली नीतीश ने रविवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गुट से नाता तोड़ लिया और भाजपा के साथ फिर से गठबंध ान कर लिया। इससे इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। केजरीवाल, जिनकी आम आदमी पार्टी इस गुट की सदस्य है, ने कहा कि नीतीश कुमार गलत थे और लोकतंत्र में यह आचरण सही नहीं है दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने बिहार के समकक्ष नीतीश कुमार को हल्के शब्दों में फटकार लगाई है। नीतीश ने रविवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गुट से नाता तोड़ लिया और भाजपा के साथ फिर से गठबंधन कर लिया। इससे इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। केजरीवाल, जिनकी आम आदमी पार्टी इस गुट की सदस्य है, ने कहा कि नीतीश कुमार षलतष थे और ष्लोकतंत्र में यह आचरण सही नहीं हैष। हालाँकि, वह अप्रैलध्मई के लोकसभा चुनाव में बिहार में इंडिया की संभावनाओं को लेकर आशावादी थे। केजरीवाल ने कहा कि मुझे लगता है ये गलत है... उन्हें नहीं जाना चाहिए था। ऐसा आचरण लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने सोमवार शाम संवाददाताओं से कहा, ...लेकिन, जहां तक मेरी समझ है, इससे एनडीए (भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन) को भारी नुकसान होगा और इंडिया को फायदा होगा। नीतीश कुमार ने पिछले साल मई में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी, जब बिहार के नेता विपक्षी नेताओं को इंडिया ब्लॉक के साथ हस्ताक्षर करने के लिए मनाने के लिए देश भर में घूम रहे थे। बिहार के

मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव की तैयारी में देरी करने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला। सूत्रों ने बताया कि वह इस बात से भी नाराज थे कि उनके योगदान के बावजूद कांग्रेस (विशेष रूप से राहुल गांध ी) ने उन्हें इंडिया संयोजक और पीएम उम्मीदवार दोनों भूमिकाओं के लिए नजरअंदाज कर दिया था। सीमावर्ती राज्य में लोकसभा सीट–बंटवारे की बातचीत को लेकर उनकी पार्टी की पंजाब इकाइयों और कांग्रेस के बीच इसी तरह के तनाव को देखते हुए केजरीवाल की टिप्पणियाँ महत्वपूर्ण हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पिछले हफ्ते कहा था कि पार्टी ने सभी 13 सीटों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है, जिसके बाद कांग्रेस के राज्य प्रमुख प्रताप बाजवा ने कहा, पंजाब में कांग्रेस यही चाहती थी..।

लालू यादव से ईडी की पूछताछ पर भड़की मीसा भारती

एजेंसी। पटना बिहार राजद अध यक्ष लालू प्रसाद यादव से ईडी की पूछताछ पर राजद सांसद और लालू प्रसाद यादव की बेटी डॉ मीसा भारती ने कहा कि वह खुद नहीं खा सकता, किसी को तो उसे खिलाना ही पड़ेगा। हमें नहीं पता कि उसने खाना खाया या नहीं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके पिता के साथ उन्होंने श्अमानवीय व्यवहारश किया। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि उनके पिता बिना सहारे के नहीं चल सकते, फिर भी एजेंसी के अधिकारियों ने उन्हें सहायक के बिना ही गेट से अंदर प्रवेश कराया। उन्होंने ईडी के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा, ष्अगर मेरे पिता को खरोंच भी आई तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। मेरे शब्दों को याद रखें। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से ईडी की पूछताछ पर राजद सांसद और लालू प्रसाद यादव की बेटी डॉ मीसा भारती ने कहा कि वह खुद नहीं खा सकता, किसी को तो उसे खिलाना ही पड़ेगा। हमें नहीं पता कि उसने खाना खाया या नहीं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईडी का कोई भी अध िकारी बोलने को तैयार नहीं है. ..चूंकि चुनाव नजदीक हैं, इसलिए पीएम डरे हुए हैं और ऐसी बातें ही करेंगे।श उन्होंने कहा कि यह सरकार मेरे पिता को भी (गिरफ्तार) कर सकती है, लेकिन एक बीमार आदमी को गिरफ्तार करके उन्हें क्या मिलेगा? राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख एवं पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद कथित 'जमीन के बदले नौकरी घोटाला' मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को पटना स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय पहुंचे। वे सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजकर पांच मिनट पर ईडी कार्यालय पहुंचे। जनता दल यूनाइटेड (जद–यू) अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'महागठबंधन' से अलग होने के एक दिन बाद लालू प्रसाद केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश हुए। इस गठबंधन में राजद सबसे बड़ा घटक दल है। ईडी कार्यालय में लालू को प्रवेश कराने के बाद भारती ने संवाददाताओं से कहा, ''जब भी कोई केंद्रीय जांच एजेंसी हमारे परिवार के किसी सदस्य को पूछताछ के लिए बुलाती है तो हम वहां जाते हैं और उनके साथ सहयोग करते हैं

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पटना, लखनऊ व रायपुर से फार्च्यूनर कार की चोरी करने वाला अन्तर्राज्यीय शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

28 दिसंबर को गोमतीनगर से फार्च्यूनर गाड़ी की हो गई थी चोरी, तभी से पुलिस कर रही थी तलाश

गाड़ी चुराने के बाद बदल देता था नंबर प्लेट

संवाददाता।

लखनऊ । सर्विलांस टीम डीसीपी पूर्वी व थाना गोमतीनगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अन्तर्राज्यीय शातिर वाहन चोर को किया गया गिरफ्तार। साथ ही अभियुक्तों के कब्जे से एक वाहन महिन्द्रा स्कार्पियो, दो मोबाइल फोन, 11 कार की इलेक्ट्रानिक चाभियां, दो वाई फाई डोंगलव अन्य सामान बरामद। पुलिस उपायुक्त पूर्वी आशीष श्रीवास्तव ने बताया नरेन्द्र नाथ शुक्ला सृजन विहार विपुलखण्ड गोमतीनगर द्वारा थाना स्थानीय पर आकर लिखित सूचना दी कि 28 दिसंबर को समय रात करीब तीन बजे फार्च्यूनर गाड़ी चोरी हो गयी है। जिसके सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज किया गया। इसी प्रकार से 28 जनवरी मुखबिर की सूचना पर सहारा ओवरब्रिज के नीचे से अभियुक्त सतेंद्र सिंह शेखावत पुत्र इंद्र सिंह शेखावत निवासी हनुमान नगर, नांगल थाना करजनी, जिला– जयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किये गये अभियुक्त के कब्जे से 2,47,000 रुपये नकद, एक वाहन महिन्द्रा स्कार्पियों व दो मोबाईल फोन, 11 कार की इलेक्ट्रानिक चाभियां, एक चाभी दो पहिया वाहन, एक चार पहिया वाहन चाभी, दो वाई फाई डोंगल, एक हथौड़ा , एक छेनी, दो नंबर प्लेट बरामद हुआ। अभियुक्त से पूछताछ पर अभियुक्त सतेन्द्र सिंह शेखावत उपरोक्त ने बताया कि चोरी की गयी गाडी एजेंसी पर सर्विस होने सर्विस सेंटर पर गयी थी तो वही जाकर मैंने एक्सपैड दो किट के माध्यम से उस गाडी की चाबी तैयार कर ली थी तथा ओबीडी पोर्ट में जीपीएस लगा दिया था। अभियुक्त ने बताया कि फिर गाड़ी चोरी करने के दो दिन पहले मैं लोकेशन ट्रेस करके सृजन विहार कालोनी में गाड़ी देखने गया था उस दिन गेट पर कोई गार्ड नहीं था लेकिन जिस दिन मैं चोरी करने गया। उस दिन घना कोहरा था और चारबाग से आटो से मैं सूजन विहार कालोनी के गेट पर पहुंचा और आटो वाले को बोला कि अभी मेरा इंतजार करना मैं 10 मिनट मे आ रहा हूं तो वापस चलूंगा। क्योंकि मुझे लगा कि अगर गाड़ी नहीं चुरा पाया तो इसी आटो से वापस चला जाउंगा। जब मैं अंदर जाने लगा तो गेट पर मौजूद गार्ड ने मुझे रोक लिया और उसने मुझे टोका कि कहां जाना है तो मैंने ही उससे डांटते हुए पूछा कि तुम कितने दिन से यहां ड्यूटी कर रहे हो मुझे नहीं जानते हो मैं यहीं पर चार नंबर में रहता हूं और अभी 10 मिनट में वापिस आ रहा हूं गेट खोले रखना तो गार्ड मेरी झूठी धौंस में आ गया और मैं अंदर चला गया वहां पर मैने गाड़ी को मेरे पास मौजूद चाभी से अनलाक किया तथा लोगों को भ्रमित करने के लिये गाड़ी के ड्राइवर साइड के शीशे के पास टूटा हुआ कांच गिरा दिया था और गाड़ी चुराकर गार्ड के सामने से ही लेकर चला गया था। अभियुक्त ने बताया कि गाड़ी को चुराने के बाद मैं गाड़ी को शहर के बाहर ले गया जहां मैने चोरी की गयी गाड़ी की ओरिजिनल नंबर प्लेट हटाकर मेरे पास मौजूद एक फर्जी नंबर प्लेट लगा दी थी और गाड़ी को लेकर शहर के अंदर पार्किंग में खड़ी कर दिया । फिर दो दिन बाद आकर गाड़ी को लेकर राजस्थान चला गया। बरामद चाभियों के बारे में कड़ाई से पूछताछ करने पर बता रहा है कि ये सभी चाबियां जो आपने बरामद की है वो मैं गाड़ियों के लाक खोलने मे प्रयोग में लाता हूं। ये चाभियां मै पहले आकर बना चुका हूं। इसमें से कुछ चाभियां लखनऊ की गाडियों की हैं तथा कुछ चाभियां बिहार की हैं। उनमें जीपीएस लगा दिया है।अभियुक्त ने बताया कि मैं यहां से पहले भी लखनऊ में 27 नवंबर 2023 को तेलीबाग चौराहे से 1–2 किलोमीटर आगे एक सफेद रंग की फार्च्यूनर कार चोरी किया था । जिसमें एक मोबाइल भी था जिसे मैने रास्ते में कहीं फेंक दिया था। 22 नवंबर 2023 को दारुलशफा के पास से एक काले रंग की फार्च्यूनर कार चोरी किया था। लखनऊ में अन्य कई जगहों से कई फार्च्यूनर कार व अन्य गाड़ियां चोरी कर चुका हूं तथा कानपुर, गोरखपुर व कई राज्यों से भी गाड़ियां चोरी कर चुका हूं व अन्य जगहों से भी मैने गाड़ियां चुराई है। मेरे खिलाफ राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, कर्नाटक व मध्य प्रदेश आदि राज्यों में भी चोरी के मुकदमें दर्ज है तथा मैं तेलंगाना व बंगलुरु व अन्य राज्यों में जेल भी जा चुका हूं। अभी एक डेढ़ साल पहले मैं तैलंगाना से जेल से छूटकर आया हूं। मैं पहले आकर सर्विस सेंटर में सर्विस के लिये आयी हुई गाड़ियों में एक्सपैड 2 साफ्टवेयर व किट के माध्यम से उसकी डुप्लीकेट चाभी तैयार करके गाडी के ओबीडी पार्ट में लेट्सस्ट्रैक जीपीएस डिवाइस लगाता हूं और उसके बाद उस गाड़ी को जीपीएस के माध्यम से ट्रेस करके जहां वह खड़ी रहती है वहां जाकर उसको चोरी करके ले जाता हूं।।मै आज भी गाड़ी चोरी करने के उद्देश्य से आया था तथा उचित समय के इंताजर मे यहा पर खडा था इसी दौरान आपने मुझे पकड़ लिया है। उक्त व्यक्ति से लखनऊ में आने पर ठहरने वाले होटल के बारे में पूछा गया तो बताया कि साहब मैं होटल मेट्रो व्यू, चारबाग व अन्य होटलों में रुकता हूं। पुलिस ने अभियुक्त से पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश किया । जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मैक्स लाइफ ने लान्च किया स्मार्ट वेल्थ एन्युटी गारंटीड पेंशन प्लान

लखनऊ । मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड नेएक नॉन लिंक्ड, नॉन पार्टिसिपेटिंग इंडिविजुअल ग्रुप जनरल एन्युटी सेविंग्स प्लान स्मार्टवेल्थएन्युटी गारंटीड पेंशन प्लानदृ स्वैग पेंशन प्लान लॉन्च किया है।नईपीढ़ी के उपभोक्ताओं के हिसाब से उनकी जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किये गए समाधान के रूप में स्वैग पेंशन प्लान रिटायरमेंट प्लानिंग को नए सिरे से परिभाषित करेगा। इसमें इंडिविजुअल और ग्रुप्स की जरूरत के हिसाब से फ्लेक्सीबिलिटी, सिक्योरिटी और पर्सनालिजेशन की सुविधा है। मैक्स लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ प्रशांत त्रिपाठी ने कहा, 'तेजी से बदलते दौर में रिटायरमेंट के बाद वित्तीय रूप से तैयार होना भारत के बड़े वर्कफोर्स के लिए जरूरी हो गया है। स्मार्ट वेल्थ एन्युटी गारंटीड पेंशन प्लान दृ स्वैग पेंशन प्लान ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप नवीन समाधान देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपने कस्टमाइज किये जा सकने वाले फीचर्स के साथ यह प्लान ग्राहकों को रिटायरमेंट के बाद के अपने सफर को आकार देने और वित्तीय रूप से मजबूती की भावना के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में सक्षम बनाता है।' मैक्स लाइफ की इंडिया रिटायरमेंट इंडेक्स स्टडी 3.0 में सामने आया है कि शहरी भारतीयों में हर पांच में से करीब तीनको इस बात की चिंता है कि उनकी बचत रिटायरमेंट के बमुश्किल 10 साल में ही खत्म हो जाएगी। इसी बात को ध्यान मेंरखकर स्वैग पेंशन प्लान को तैयार किया गया है और यह ग्राहक की लाइफस्टाइल के हिसाब से लाइफटाइम इनकम सुनिश्चित करता है। इससे ना केवल उनका स्वयं का बल्कि उनके प्रियजनों का भी भविष्य सुरक्षित होता है। इस अनूठी ऑफरिंग में ग्राहकों को अपने लिए खुद पॉलिसी तैयार करने का विकल्प मिलता है, जिसमें वे अलग–अलग एन्युटी ऑप्शंस में से चुन सकते हैं।इनमें बढ़ती महंगाई का ध्यान रखा जाता है और उन्हें पर्सनलाइज्ड इनकम टाइमिंग की फ्लेक्सीबिलिटी भी मिलती है।'इसके साथ–साथ ग्राहकों को रिटर्न ऑफ प्रीमियम की बड़ी रेंज में से चुनने की आजादी भी मिलती है, जिससे वे अपनी किसी विशेष वित्तीय जरूरत को पूरा करने के हिसाब से अपने लिए प्लान चुन सकते हैं।

आरपीआई 4 मार्च को लखनऊ में करेगी बड़ी रैली, प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने साधा सपा–कांग्रेस गठबंधन पर निशाना'

संवाददाता।

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले), उत्तर प्रदेश के प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार डॉ. रामदास आठवले ने सपा–कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए अपने शायराना अंदाज में कहा कि ष्आज मैं लखनऊ आया हूँ आरपीआई को मजबूत करने के लिए पूरे यूपी में घूम रहा हूँ कांग्रेस–सपा गठबंधन को हराने के लिएष लखनऊ स्थिग गन्ना संस्थान में आयोजित प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन में डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि इस ठंड के मौसम में प्रदेश के अलग–अलग जिलों से बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी आये हैं, ये सराहनीय है। आरपीआई के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों को मजबूत करें। गरीब,शोषित,वंचित सहित हर वर्ग के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ें और हर विधानसभा, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर, जिला स्तर पर अपनी मौजूदगी दिखाएं। उत्तर प्रदेश में निचले स्तर से पार्टी को मजबूत करना है। आरपीआई का हर पदाधिकारी बहुत ईमानदारी से काम कर रहा है। आरपीआई के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता के प्रयत्न से आरपीआई उत्तर प्रदेश में मजबूत ताकत के रूप में उभर रही है। डॉ. रामदास आठवले ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी 4 मार्च को लखनऊ में होने वाली रैली में कम से कम 50 हजार की भीड़ जुटानी है और आरपीआई को अपनी ताकत दिखानी चाहिए।

'अगर मायावती आरपीआई में शामिल हों तो बना देंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष'

केंद्रीय मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि यदि बसपा सुप्रीमो आरपीआई में शामिल हों तो मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। साथ ही उन्होंने बसपा के नेताओं से आरपीआई में आने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर के सिद्धांत को आगे बढ़ाना है तो बसपा के नेताओं को आरपीआई में शामिल होना चाहिए। बसपा की जगह आरपीआई ले रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष कह रहा है कि मोदी सरकार संविधान बदल देगी लेकिन यह सब बेबुनियाद है। संविधान पर सवाल उठाना बाबा साहब का अपमान है।इंडिया गठबंधन अब टूट रहा है। उन्होंने बिहार में नीतीश कुमार का निर्णय सही ठहराया। बंगाल में ममता अकेले चुनाव लड़ेगी। हर जगह गठबंधन टूट रहा है। उन्होंने दावा किया कि यदि यूपी में भाजपा आरपीआई को साथ ले तो बड़ी संख्या में बसपा से नाराज नेता साथ आएंगे। इस संबंध में आज मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात होगी। गृहमंत्री श्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में बसपा का विकल्प आरपीआई बनेगी। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि महाराष्ट्र में पार्टी ने दो सीटें मांगी है। शिरडी

कोविड कर्मचारियों ने की समायोजन की मांग

संवाददाता।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से आज कोविड–19 कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमण्डल ने कोविड– 19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में नियुक्त किए गए कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजित करने की मांग की। प्रतिनिधिमण्डल ने ज्ञापन में बताया कि मध्य प्रदेश और हरियाणा की सरकार ने कोविड–19 के दौरान नियुक्त कर्मचारियों को समायोजित किया है।

प्रतिनिधिमण्डल में शामिल कर्मचारियों में डॉ0 स्वप्निल, शाहिद, अखिलेश, प्रदीप वर्मा और संदीप यादव ने बताया कि अखिलेश यादव की सरकार में उन्हें लैपटॉप प्राप्त हुआ था। कोविड–19 महामारी के दौरान कोविड कर्मचारियों (डाटा एंट्री ऑपरेटर, चिकित्सक, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, वेन्टीलेटर ऑपरेटर, ऑक्सीजन प्लांट टेक्नीशियन, एनएमएस, ओटी, टेक्निशियन, वार्ड ब्वाय और स्वीपर) की नियुक्ति कोविड महामारी के दौरान 2020 में अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में नियुक्त किये गये थे।

सभी कर्मचारियों ने कोविड महामारी के दौरान अपनी और अपने परिवार की परवाह न करते हुए कोविड संक्रमित मरीजों की देखभाल और उपचार अपनी जान की परवाह किये बगैर न्यूनतम मानदेय पर उत्तर प्रदेश दिसम्बर 2020 से कोविड में अपनी सेवा देते रहे। वर्तमान में अन्य कार्यक्रम में कार्य निक्षय जैसे आरोग्य मेला, आयुष्मान कार्ड, यूडीएसपी, डेंगू एवं अन्य कार्यक्रम में प्रत्येक गांव व शहर में घर जा–जाकर अपना कार्य निष्ठा पूर्वक कर रहे हैं। हरियाणा सरकार ने कोविड– 19 महामारी के दौरान कोविड में रखे गये कर्मचारियों को दहरियाणा सरकार वित्त विभाग के आदेश अनुसार रोजगार निगम के माध्यम से राहत प्राप्त कोविड–19 सभी कर्मचारियों को एचआर को समायोजित करने को 10.10.2023 को आदेश कर दिया गया है। मध्य प्रदेश की सरकार ने सभी कोविड कर्मचारियों की कोविड महामारी के दौरान रखे गये कर्मचारियों को दिनांक 04.09.2023 को मिशन निदेशक एनएचएम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्य प्रदेश सरकार के आदेशानुसार सभी कोविड कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजित कर दिया गया है।

83 लाख की चरस के साथ चार गिरफ्तार

नेपाल से लेकर आ रहे थे चरस

संवाददाता।

लखनऊ । एसटीएफ यूपी को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों को 16.5 किलो चरस जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य लगभग 83 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम विमल राजपूत पुत्र विशून लाल राजपूत, जितेन्द्र पुत्र स्व.लाल सिंह, आशीष यादव पुत्र स्व. दलजीत सिंह यादव, योगेन्द्र सिंह यादव पुत्र रामपाल सिंह यादव है। सभी अभियुक्त कानपुर देहात के रहने वाले हैं। एसटीएफ ने इसके कब्जे से 16.5 किलो चरस, 4500 रुपये नकद, चार पेन कार्ड, दो डीएल, तीन आधार कार्ड, तीन मोबाइल फोन, चार एटीएम कार्ड, एक ब्रेजा कार बरामद किया गया है। एसटीएफ ने इन्हें इटौरा दर्शन नगर मोड थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या से रविवार की देर रात पकड़ा है। एसटीएफ टीम को मुखबिर के

माध्यम से ज्ञात हुआ कि कुछ व्यक्ति नेपाल राष्ट्र से अवैध मादक पदार्थ (चरस) लेकर जनपद कानपुर जाने वाले है, यदि शीघ्रता किया जाय तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर टीम बताये स्थान पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर चेकिंग करने लगे। कुछ समय पश्चात मुखबिर की बतायी हुयी कार आती दिखायी दी। जिसे रोककर चेक किया गया तो उक्त कार से 16.5 किग्रा. चरस बरामद हुयी तथा कार में बैठे चारों अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया जिनके पास से उपरोक्त बरामदगी हुयी। गिरफ्तार अभियुक्तों ने संक्षिप्त पूछताछ पर बताया कि यह अवैध मादक पदार्थ (चरस) इन लोगों द्वारा नेपाल से लाकर कानपुर के मनोज तिवारी के साथ मिलकर बेचने का कार्य करते है। यह कार्य काफी वर्षो से कर रहे है। इस कार्य से ही इनका जीवन यापन किया जाता है तथा गिरफ्तार अभियुक्त आशीष यादव ने बताया कि उक्त वाहन उसका है जिसे वह कानपुर के मनोज तिवारी के कहने पर ही अवैध मादक पदार्थ (चरस) को लाने ले जाने के लिए प्रयोग करता है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पूरा कलन्दर में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है।

फिर मिलेगा यूपी को कार्यवाहक डीजीपी, प्रशांत कुमार व आनंद कुमार के बीच रेस

पुलिस महानिदेशक विजय कुमार 31 जनवरी को हो रहे सेवानिवृत्ति अधिकारी नये डीजीपी को लेकर कुछ बोलने को तैयार नहीं

संवाददाता।

लखनऊ । यूपी में को चौथी बार कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के बनने की संभावना है। चूंकि डीजीपी विजय कुमार के 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होने वाले है और अभी तक राज्य सरकार की तरफ से पुलिस विभाग के नये डीजीपी के चयन का प्रस्ताव संघ लोक सेवा आयोग को नहीं भेजा जा सका है। इसलिए कार्यवाहक डीजीपी के बनाये जाने की सबसे ज्यादा चर्चा है। अब कार्यवाहक डीजीपी किसे बनाया जाएगा। इसके प्रमुख दावेदारों में डीजी सीबीसीआईडी आनंद कुमार, डीजी कारागार एसएन साबत, डीजी भर्ती बोर्ड रेणुका मिश्रा और डीजी कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार शामिल हैं। वैसे तो डीजीपी के लिए प्रशांत कुमार के नाम को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है। जानकारी के लिए बता कि पुलिस महानिदेशक 31 जनवरी को सेवानिवृत्ति हो रहे है। ऐसे में यूपी का डीजीपी कौन होगा। इसकी चचाओं का बाजार पुलिस मुख्यालय से लेकर राजनीतिक गलियारों तक तेज हो गया है। वह इसलिए चूंकि मार्च–अप्रैल में लोकसभा के चुनाव के चलते प्रदेश की कानून व्यवस्था संभालने की एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसके चलते डीजीपी से लेकर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर तक की पोस्ट की तैनाती इस बार अहम होगी। इसके चलते सरकार सोच समझकर फैसला लेने के मूड में है। जिससे कोई चुनाव में गड़बड़ी न हो सके। इसीलिए भी तक पत्ता नहीं खोला गया है। वहीं सूत्रों की माने तो यूपीएससी को इस बार भी स्थाई डीजीपी पद के लिए सीनियर पुलिस अधिकारियों की सूची नहीं भेजी गई है। यही वजह है कि हर कोई कार्यवाहक डीजीपी कौन बन रहा है, केवल यही अटकलें लगाता दिखाई दे रहा है। बता दें कि 11 मई 2022 को स्थाई डीजीपी मुकुल गोयल

को अचानक हटा दिया गया था। इसी के बाद से लगातार कार्यवाहक डीजीपी बनाया जा रहा है। मुकुल गोयल के बाद कार्यवाहक डीजीपी के रूप में डीएस चौहान की तैनाती की गई। डीएसएस चौहान 31 मार्च 2023 को सेवानिवृत्त हो गये तो भी यूपी को स्थाई डीजीपी नहीं मिल सके। जिसके चलते डीजी पुलिस भर्ती बोर्ड के आरके विश्वकर्मा को कार्यवाहक डीजीपी बनाया गया। यह भी 30 मई 2023 को रिटायर्ड हो गए तो कार्यवाहक डीजीपी के रूप में आईपीएस विजय कुमार की नियुक्ति की गई है। इनका भी कार्यक्रम 31 जनवरी को खत्म हो रहा है। ऐसे में यूपी को स्थाई व अस्थाई डीजीपी मिलेगा इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है। वैसे तो मुख्यालय में ज्यादातर लोगों के जुबान पर प्रशांत कुमार के डीजीपी बनने को लेकर चर्चा है। नियमानुसार डीजीपी की रेस में पहले नंबर पर 1987 बैंच के पूर्व डीजीपी मुकुल गोयल हैं लेकिन पद से हटाये जाने के चलते इनको इस रेस से बाहर माना जा रहा है। अब सीनियरिटी के हिसाब से देखा जाए सबसे पहले आईपीएस आनंद कुमार, दूसरे नंबर पर 1089 बैच के पीवी रामा शास्त्री और तीसरे नंबर पर 1990 बैच के आईपीएस एसएन साबत हैं। फिर रेणुका मिश्रा हैं। साबत इस समय डीजी जेल के पद पर कार्यरत है। चूंकि प्रशांत कुमार अब तीन सौ से ज्यादा एनकाउंटर कर चुके हैं। यूपी में खूंखार संजीव जीवा, कग्गा, मुकीम काला, सुशील मूंछ, अनिल दुजाना, सुंदर भाटी, विक्की त्यागी, साबिर गैंग का आतंक था। आईपीएस प्रशांत ने टीम के साथ मिलकर इन गैंग के कई अपराधियों का सफाया किया। प्रशांत कुमार 1990 बैंच के अधिकारी है। वैसे जानकारों की माने तो लोक सभा चुनाव को देखते हुए सरकार काबिल अफसर को यह प्रदेश की जिम्मेदारी सौपी जा सकती है।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनाँक 29 जनवरी को श्री अटल बिहारी बाजपेयी ऑडिटोरियम में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित श परीक्षा पे चर्चा श कार्यक्रम के 7 वें संस्करण का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय कुलपति द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। लाइव प्रसारण के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से सम्मिलित विद्यार्थियों और अभिभावकों से संवाद किया गया और उन्हें सफलता के गुरुमंत्र बताये गये। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियों, दबाव और प्रतिस्पर्धी भाव आदि से धैर्यपूर्वक निपटने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने परीक्षा के दौरान उपयोगी स्ट्रैटजी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को गंभीरता से समझा। सभी ने परीक्षा के तनाव, परीक्षा की तैयारी में दबाव, करियर के चुनाव, मोबाइल के सकारात्मक इस्तेमाल, आत्मविश्वास बनाए रखने जैसे विषयों पर प्रधानमंत्री द्वारा बताये गये महत्वपूर्ण बिंदुओं को बारीकी से जाना और उससे प्रेरणा ली। जैसे ही प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतिस्पर्धा सदैव स्वयं से होनी चाहिए और अभिभावक द्वारा विद्यार्थी के रिपोर्ट कार्ड को उसका विजिटिंग कार्ड नहीं बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री की इस बात कोध सुनकर समस्त सभागार तालियों की आवाज से गूंज उठा।

सभी विद्यार्थी प्रधानमंत्री द्वारा बताये गये उपायों को अपने विद्यार्थी जीवन में अपनाने हेतु उत्साहित दिखे। कार्यक्रम के दौरान डीएसडब्लयू प्रो० बी०एस० भदौरिया, प्रॉक्टर प्रो० संजय कुमार, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

सी.एम.एस. छात्र दल जापान रवाना

लखनऊ, 28 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस का 6 सदस्यीय छात्र दल 'सकूरा साइन्स एक्सचेंज प्रोग्राम' में प्रतिभाग हेतु जापान रवाना हो गया। जापान रवानगी से पूर्व सी.एम.एस. शिक्षकों व अभिभावकों ने अमौसी एअरपोर्ट पर छात्र दल के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि साइन्स एक्सचेंज प्रोग्राम जापान सरकार की शैक्षिक संस्था 'जापान साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी एजेन्सी (जे.एस.

टी.) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विश्व के लगभग 30 देशों के छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। जापान रवाना होने वाले सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस के छात्र सदस्यों में आर्यन सिंह, श्रेया, शुभ मेहरोत्रा, वैभव पाण्डेय एवं वैदेही मिश्रा शामिल हैं। छात्र दल का नेतृत्व विद्यालय के शिक्षक श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह कर रहे हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि इस शैक्षिक यात्रा के दौरान सी.एम.एस. छात्र जापान के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों एवं रिसर्च इन्स्टीट्यूट का भ्रमण करेंगे एवं इस दौरान एडवांस साइन्स एवं टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञों का व्याख्यान एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने साथ ही प्रायोगिक परीक्षण भी प्राप्त करेंगे। साइन्स एक्सचेंज प्रोग्राम में प्रतिभाग हेतु जापान रवाना होने वाले छात्र विज्ञान विषय में काफी रुचि रखते हैं एवं इस विषय में काफी गहरा ज्ञान रखते हैं। इसी क्षमता की बदौलत इन छात्रों का साइन्स प्रोग्राम में प्रतिभाग हेतु चयन किया गया है। सी.एम.एस. छात्रों की जापान यात्रा का सम्पूर्ण खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया जा रहा है जिसमें आने–जाने की हवाई यात्रा, रहना–खाना व स्थानीय भ्रमण आदि शामिल हैं। श्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह शैक्षिक यात्रा उभरती हुई वैज्ञानिक प्रतिभाओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप प्रतिभा विकास में विशेष सहायक होगी।

बीटिंग द रिट्रीट समारोह में सी.एम.एस. को सर्वाधिक 11 पुरस्कार मिले

लखनऊ, 29 जनवरी। गणतन्त्र दिवस परेड में प्रदर्शित विभिन्न कार्यक्रमों में शानदार प्रदर्शन हेतु सिटी मोन्टेसरी स्कूल को आज यहाँ पुलिस लाइन, लखनऊ में आयोजित 'बीटिंग द रिट्रीट' समारोह में सर्वाधिक 11 पुरस्कारों से पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन एवं सी.एम.एस. के विभिन्न कैम्पस की प्रधानाचार्याओं ने अपनी छात्र टीमों के साथ पुरस्कार ग्रहण किया।

समारोह में सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस को सर्वश्रेष्ठ ब्रास बैण्ड प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार, सी.एम.एस. कानपुर रोड को ही सर्वश्रेष्ठ बैग पाइप बैण्ड प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार, सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस को सर्वश्रेष्ठ साँस्कृतिक प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार, सी.एम.एस. अलीगंज द्वितीय कैम्पस को सर्वश्रेष्ठ ड्रिल प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार, बालकों के बेस्ट मार्च हेतु सी.एम.एस. अलीगंज प्रथम कैम्पस को द्वितीय पुरस्कार, बेस्ट बैग पाइप बैण्ड प्रस्तुति हेतु सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस को द्वितीय पुरस्कार, बालक व बालिकाओं के बेस्ट फ्लैग मार्च हेतु सी.एम.एस. आर.डी.एस.ओ. कैम्पस को द्वितीय पुरस्कार, बेस्ट नृत्य प्रस्तुति हेतु सी.एम.एस. कानपुर रोड को द्वितीय पुरस्कार, बालिकाओं के बेस्ट मार्च हेतु सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस को तृतीय पुरस्कार एवं बालक व बालिकाओं के बेस्ट फ्लैग मार्च हेतु सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया है। इसके अलावा, 'विश्व एकता लाना है, वसुधा कुटुम्ब बनाना है'थीम पर आधारित सी.एम.एस. झाँकी को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गणतन्त्र दिवस परिसमाप्ति समारोह 'बीटिंग द रिट्रीट' के उपरान्त एक अनौपचारिक वार्ता में सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस उपलब्धि हेतु सभी प्रधानाचार्याओं, छात्रों व शिक्षकों को बधाई दी है। प्रो. किंगडन ने कहा कि सी.एम.एस. का लक्ष्य भावी पीढ़ी का नैतिक, चारित्रिक व आध्यात्मिक उत्थान कर उन्हें समाज का आदर्श नागरिक बनाना है, जिसकी झलक गणतन्त्र दिवस परेड में देखने को मिली।

उम्मीद रोशनी की समाजसेवी संस्था द्वारा गणतंत्र दिवस के सुअवसर सांस्कृतिक कार्यक्रम

झाँसी। उम्मीद रोशनी की समाजसेवी संस्था द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बिजौली औद्योगिक क्षेत्र स्थित पाठशाला में गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर पाठशाला के नन्हे विद्यार्थियों द्वारा सम्मिलित रूप से विभिन्न विधाओं में प्रस्तुतियां दी गई, सभी ने बच्चों की प्रतिभा को खूब सराहा,उसके पश्चात सभी ने मिलकर राष्ट्रगान और देश की आन बान शान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की, सभी बच्चों को देश सेवा के लिए जागरूक किया गया साथ साथ

शिक्षा का उनके जीवन में क्या महत्व है इस ओर ध्यानाकर्षण किया गया और शिक्षा के जरिए कैसे वे अपने और अपने समाज को बदलने में योगदान कर सकते हैं, इन महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझाया गया, सभी बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया । इस मौके पर पाठशाला में पढ़ाने वाले अध्यापकगण अनिल कुमार, राघवेंद्र प्रजापति, प्रीति सिंह, एवं संस्था सदस्य संदीप कंचन,राजेंद्र राय, के के गुप्ता,अब्दुल निजाम, वैभव गौतम आदि मौजूद रहे ।

City Montessori School, Lucknow requests your kind presence at the
'Memorial Prayer Service'
for
Dr. Jagdish Gandhi
Spiritual Giant and Humble Servant of Humanity
Let us come together to celebrate the life of a visionary, renowned educationist, and doyen of World Unity & Peace at the World Unity Convention Centre, City Montessori School, Kanpur Road Campus, LDA Colony, Lucknow on Sunday, 4th February 2024 at 11 am

CMS CITY MONTESSORI SCHOOL

RSVP:
Dr. Bharti Gandhi, Founder Director, CMS
Prof. Geeta Gandhi Kingdon, President & Manager, CMS, M: 94150 15030
Members of Management and staff of CMS

सिटी मोन्टेसरी स्कूल (सी.एम.एस.), लखनऊ के संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् स्वर्गीय डा. जगदीश गाँधी की 'स्मृति प्रार्थना सभा' में आप सादर आमन्त्रित हैं। प्रार्थना सभा आगामी 4 फरवरी 2024, रविवार को प्रातः 11.00 बजे वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर, सी.एम.एस. कानपुर रोड में होगी। आइये, हम सब मिलकर इस दूरदर्शी, विनम्र समाज सेवक, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं विश्व एकता व विश्व शान्ति के अग्रदूत के लिए प्रार्थना करें।

बुजुर्गों एवं दिव्यांगों का समाज में महत्व व उनका सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

रिपोर्ट–– राशिद पठान झांसी! आज दिनांक 29.01.2024 को सूरज प्रसाद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज झांसी में स्टूडेंट पुलिस कैडेट कार्यक्रम के माह जनवरी की आंतरिक गतिविधि के अंतर्गत एसपीसी कैडेट्स को वृद्धोंध्बुजुर्गों एवं दिव्यांगों का समाज में महत्व व उनका सम्मान कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ सीमा तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि महिला थाना प्रभारी श्रीमती किरण रावत जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इसके उपरांत विद्यालय की एसपीसी छात्राओं ने बेटी हिंदुस्तान की गाने में अपने साहस और शौर्य से भरे नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यालय की एसपीसी नोडल श्रीमती असमा खान द्वारा वृद्धों व बुजुर्गों और दिव्यांगों का महत्व एवं किस प्रकार उनकी बेहतर ढंग से सेवा की जा सकती है विषय पर विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति शर्मा जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ सीमा तिवारी जी को सम्मानित किया गया।विकलांग होने के बावजूद अपने शौर्य व साहस का परिचय देते हुए कैसे उन्होंने अपनी हिम्मत से डकैतों से लड़कर व पुलिस की सहायता से अपने परिवार को बचाया।डॉ सीमा तिवारी जी ने सभी विद्यार्थियों को बुजुर्गों और दिव्यांगों की सेवा करने हेतु प्रेरित किया, साथ ही अपने जीवन से जुड़ी साहस भरी कहानी के बारे में भी छात्राओं को बताया तत्पश्चात उप प्रधानाचार्य श्रीमती निधि चौहान जी ने सभी विद्यार्थियों को एटीट्यूड का अर्थ व पॉजिटिव एटीट्यूड का महत्व समझाया। कार्यक्रम में उपस्थित महिला थाना प्रभारी श्रीमती किरन रावत जी ने छात्राओं को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी देने के साथ–साथ मिशन शक्ति व महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए सभी छात्राओं को प्रोत्साहित किया।प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति शर्मा जी ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया व कैडेट्स की उज्जवल भविष्य की कामना की।

उर्मिला को अयोध्या मंडल का सौंपा प्रभार

सवाददाता।

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी महिला बिंग की तेज तर्रार प्रदेश सचिव उर्मिला उपाध्याय का कद बढ़ा दिया गया है। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश पर मंडल प्रभारियों की नियुक्ति की है। जारी सूची में सुलतानपुर की उर्मिला उपाध्याय को लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत रखते हुए अयोध्या मंडल का प्रभार सौंपा गया है। उर्मिला उपाध्याय के अयोध्या मंडल प्रभारी बनाए जाने पर सपाईयों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए बधाई दी है। गौरतलब हो कि उर्मिला उपाध्याय जिले में पहचान की मोहताज नहीं है। पार्टी चाहे जो भी रही हो अपने दायित्वों का बखूबी निर्वह कर हमेशा सुर्खियों में रही हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान उर्मिला उपाध्याय कांग्रेस पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया था। उर्मिला उपाध्याय का कांग्रेस पार्टी में एक कद हुआ करता था। कांग्रेस पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक अच्छी पकड़ रखती थी। सीधे गांधी खानदान से जुड़ी थी, लेकिन कांग्रेस रास नहीं आई। अपनी महिला टीम के समूह के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी में शामिल हुई। समाजवादी पार्टी ने उर्मिला उपाध्याय की प्रतिभा को पहचाना। पार्टी के निष्ठा, मेहनत, ईमानदारी पर पहले इन्हें इनाम के तौर पर महिला प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया। बाद में प्रतापगढ़ जनपद की भी प्रभारी बनाई गई। यही नहीं महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव ने इन्हें सुल्तानपुर लोकसभा का भी प्रभारी बनाया। अब जब मंडल प्रभारी बनाने का सिलसिला शुरू हुआ तो महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव ने पूर्वांचल के विशिष्ट मंडल अयोध्या का प्रभार सौंप दिया है। उर्मिला उपाध्याय ने बयां किया है कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे बखूबी निभाएंगी। मेहनत करके पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगी। जिससे 2022 पार्टी का मिशन लोकसभा चुनाव जीता जा सके। जिले के सपाइयों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए उर्मिला उपाध्याय को बधाई दी है।

ब्लड आईकान लेडी ने 54 वर्ष की उम्र में सौ बार किया रक्तदान

'ब्लड आईकान लेडी ने रक्तदान कर लगाया शतक'

संवाददाता।

सुलतानपुर। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के बैनर तले रक्तदान महादान का शतक जड़ा । सहायक होम गार्ड कमांडेंट की समाजसेवी जहांआरा ने राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ में अहम भूमिका का निर्वहन करने वाली महिला वीरांगना ने 28 जनवरी 2024 को अपना 100 वां रक्तदान कर एक रिकॉर्ड बना दिया । राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संगठन के मार्गदर्शक निजाम खान ने बताया कि इस समय जिले के ब्लड बैंक में । ठ पॉजीटिव ब्लड की क्राइसिस है। जब ब्लड डोनेशन की आईकॉन श्रीमती जहाँ आरा से रक्तदान महादान शिविर आयोजित करने को लेकर वार्ता किया तो उन्होंने तत्काल अपना रक्तदान कर दिया जिससे उस ग्रुप के अभाव में जिंदगी और मौत से जूझ रहे मरीजो की मदद हो सके। कहते है मानवता की सोच रखने वाले लोग मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते है ऐसी है होम गार्ड विभाग में ड्यूटी करने वाली जांबाज महिला

कमान्डेंट जहाँ आरा ने 54 वर्ष आयु में जिन्होंने किसी भी परिस्थिति में अपने नैतिक दायित्वों का मौका जाने नही दिया जिसको भी रक्त की आवश्यकता हुई उन्होंने पहुँच कर रक्तदान किया ।ब्लड बैंक के नियमानुसार एक बार रक्तदान करने के बाद तीन महीने बाद पुनः रक्तदान कर सकते है इस नियम को भी तोड़ कर जीवन बचाने के लिए तीन महीने पूरे नही होने पर ब्लड डोनेट कर देती है। रक्तदान किये हुए यदि तीन महीने भी नही हुआ है उसके बाद भी जीवन बचाने के लिए अपना रक्त लोगो के जीवनदान के लिए समर्पित कर दिया। इस वीरांगना के जज्बे को सलाम रक्तदान महादान करने केलिए नकारात्मक सोच रखने वालों को इस वीरांगना से प्रेरणा लेनी चाहिए। इधर विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अभिषेक सिन्हा ने कहा कि जहांआरा आज मिसाल बन गई है । सभी युवाओं को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य में आगे आना चाहिए । क्योंकि रक्तदान के जरिए आप किसी के जीवन को बचा सकते हैं।

शिक्षिका संगीता सिंह को मिला विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान

झांसी। नई दिल्ली के पटेल चौक स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ मथुरा वृंदावन धाम के द्वारा रविवार को विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अरविंद कुमार पूर्व कुलपति रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी एवं डॉक्टर विश्वनाथ पाणिग्रही अंतरराष्ट्रीय पर्यावर्णविद छत्तीसगढ़ तथा डॉक्टर किरण बोंगले अध्यक्ष महाराष्ट्र इकाई पंडित दीनदयाल हिंदी विद्यापीठ वृंदावन धाम मथुरा विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ इंदु भूषण मिश्रा कुलपति पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ वृंदावन धाम मथुरा ने की।उक्त समारोह में झांसी निवासी ब्लॉक बड़ागांव के प्राथमिक विद्यालय भोजला में प्रधानाध्यापिका के पद पर कार्यरत संगीता सिंह को शिक्षा , समाज सेवा, हिंदी लेखन तथा नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए अतुल्य योगदान के लिए अतिथियों के द्वारा विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव में टीकाकरण का रोल बेहद अहम

झांसी! दुनियाभर में यूं तो कैंसर के मामले महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में पाए जाते हैं लेकिन भारत में इसका ट्रेंड थोड़ा उल्टा है. इसकी वजह है सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा), जो न सिर्फ वर्ल्ड लेवल पर महिलाओं की सेहत के लिए बड़ा खतरा है बल्कि भारत पर भी इसका गहरा प्रभाव है. सामाजिक बंदिशों और माहौल के हिसाब से यहां रिप्रोडक्टिव हेल्थ पर खुलकर बात नहीं होती है. ऐसे में जरूरी है कि सर्वाइकल कैंसर पर बात की जाए, इसके बारे में जागरूकता बढ़ाई जाए

डॉ मीनू वालिया, वाईस चेयरमैन , मेडिकल ऑन्कोलॉजी , मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल , पटपड़गंज ने बताया कि सर्विकल कैंसर एचपीवी के हाई रिस्क स्ट्रेन के लगातार इंफेक्शन के कारण होता है. ये कैंसर सबसे ज्यादा एचपीवी–16 और एचपीवी–18 के कारण होता है. इन वायरस स्ट्रेन से न सिर्फ सर्विकल कैंसर होता है बल्कि वैजाइनल, एनल और वैल्वुलर कैंसर का रिस्क भी रहता है. पुरुषों में एचपीवी की वजह से एनल, पेनिस और गले का कैंसर हो सकता है सर्विकल कैंसर सभी कैंसर में एक ऐसा कैंसर है जिससे बचाव किया जा सकता है लेकिन हैरानी की बात है कि ये भारतीय महिलाओं में दूसरा सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है इसके आंकड़े पीड़ा देते हैं भारत में हर 47 मिनट में एक महिला को सर्विकल कैंसर का पता चलता है और हर 8 मिनट में 1 महिला की मौत हो जाती है. हर साल एक लाख से ज्यादा महिलाएं इस बीमारी से जूझती हैं जिनमें से 60 हजार के करीब इसकी गिरफ्त में आ जाती हैं. ये आंकड़े दिखाते हैं कि इस समस्या का समाधान जल्द निकालने की जरूरत है. लेकिन अवेयरनेस की कमी और गलतफहमियों के चलते इसका असर बढ़ता है. खासकर, ग्रामीण इलाकों में बहुत महिलाओं को इस बात की जानकारी नहीं है कि किस तरह की सावधानियां बरतकर ऐसी परेशानियों से बचा जा सकता है.

पारीछा मे जरुरतमन्द लोगों को कम्बल वितरण किए गए

झांसी! आज दिनांक 28 जनवरी 24 को सुगत बुध्द विहार चौरिटेबल ट्रस्ट पारीछा झांसी के तत्वावधान में डॉ अम्बेडकर पार्क नगर पंचायत बड़ागांव झांसी में जरुरतमन्द लोगों को कम्बल वितरण समारोह संपन्न हुआ बुन्देलखण्ड क्षेत्र के अध्यक्ष अखिल भारतीय भिक्षु महासंघ एवं ट्रस्ट पारीछा भदन्त कुमार काश्यप महाथेरो ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की इं नरेन्द्र कुमार जी अधिशासी अभियन्ता मुख्य सलाहकार प्र, सु बु वि समिति पारीछा मुख्यातिथि रहे,विशिष्ट अतिथि इं बिपिन आर्या जी सहायक अभियंता इं सुभाष चंद्रा जी अवर अभियंता उपाध्यक्ष इं अमित कुमार सुमन जी अवर अभियंता आयु राजेश कुमार कुरील जी लेखाधिकारी आयु राजीव

जी कैमिस्ट आयु कमलेश कुमार बौद्ध जी कोटरा सचिव प्रबन्धन समिति पारीछा ने कार्यक्रम का संचालन किया।इस सराहनीय प्रयास करने के लिए बडगांव समिति ने ट्रस्ट के पदाधिकारियो ने पँचसील की पट्टिका से सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त आयु कमलेश कुमार चौधरी जी संयोजक डॉ अम्बेडकर बड़ागांव ने किया। आयुष्मान महिरवान अहिरवार जी आयु राजेश कुमार जी आयु कैलाश बौद्ध जी आयु राघवेन्द्र जी संघप्रिय जी बु उ कु महक जी आयुष्मति शोभा जभारती जी स्वेता जी बौद्ध उपासक उपासिकायें उपस्थित रहे। सभी धम्मबन्धुओं ने संविधान पर सामूहिक रूप से गीत गाया गया

आअलाव के लिए लकड़ी तोड़ने गई महिला कुएं में डूबी, मौत

संवाददाता।

सुल्तानपुर। ठंड के मौसम में प्रशासनिक लापरवाही की पोल खुल गई है। ठंड से राहत के लिए अलाव का प्रबंध करने हेतु लकड़ी इकट्ठा करने गई एक महिला की कुएं में डूबकर मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम में भेजा है। वही घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार घटना

जिले के मोतिगरपुर थानाक्षेत्र के पदारथपुर अचली गांव की है। यहां की निवासी सरोजा निषाद (50वर्ष) पत्नी कन्हैयालाल निषाद आज घर से लकड़ी के प्रबंध के लिए निकली थी। गांव के बाहर गुरुदीन के खेत में स्थित कुएं के पास लकड़ी तोड़ते समय उसका पैर फिसल गया और वो कुएं में जा गिरी। जिससे पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना के काफी देर बाद 12 वर्षीय बेटी प्रिया जब मां को ढूंढते हुए वहां पहुंची तो पानी में डूबा देखकर वो चीखने चिल्लाने लगी। शोर सुनकर आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं के अंदर की झाड़ियां को साफ कराकर छोटी रस्सी के सहारे चारपाई कुएं में डालकर शव को निकलवाया। शव का पंचनामा भरकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका के परिवार में बूढ़ी सास, पति कन्हैयालाल के अलावा बेटा शिवपूजन (17 वर्ष) और बेटी प्रिया (12 वर्ष) है। बड़ी बेटी पूजा शादीशुदा है। बताया जा रहा है कि परिवार बेहद गरीब है रहने को आवास तक नहीं है। मौके पर राजस्व निरीक्षक दियरा प्रसिद्ध नारायण मिश्र, प्रधान प्रतिनिधि अमरेश कुमार, प्रधान राजकुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे। तहसीलदार जयसिंहपुर हृदयराम तिवारी ने बताया कि मृतका के अंतिम संस्कार की व्यवस्था कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद देवी आपदा के तहत पीड़ित परिवार को अहेतुक धनराशि दी जाएगी। लेकिन इस घटना ने प्रशासन द्वारा जलवाए जा रहे अलाव की पोल खोलकर रख दिया है।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 30 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

लेफ्ट पार्टियां सिर्फ समस्या बढ़ा रही हैं

विपक्षी गठबंधन इंडियाग्र में पहले माना जा रहा था कि सबसे ज्यादा समस्या ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की वजह से होगी। ममता बनर्जी समस्या पैदा कर रही हैं लेकिन केजरीवाल सीट बंटवारे से लेकर परदे के पीछे से सीटों की एडजस्टमेंट या दोस्ताना लड़ाई के लिए भी तैयार हैं। उनके साथ कांग्रेस की बहुत अच्छी वार्ता चल रही है और चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में दोनों पार्टियों ने तालमेल कर भी लिया है। विपक्षी गठबंधन में सबसे ज्यादा समस्या वामपंथी पार्टियों की ओर से पैदा की जा रही हैं। केरल छोड़ कर कहीं भी लेफ्ट पार्टियों का आधार नहीं बचा है लेकिन उनको हर जगह सीट चाहिए। लेफ्ट को ऐसे राज्यों में भी सीट चाहिए, जहां अपने अच्छे दिनों में भी वह कोई सीट नहीं जीतती थी। हो सकता है कि यह दबाव की राजनीति हो लेकिन इससे विपक्षी गठबंधन में कंफ्यूजन बन रहा है। लेफ्ट ने बंगाल में ममता के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है और केरल में वैसे भी सत्तारूढ़ गठबंधन यानी लेफ्ट मोर्चा और मुख्य विपक्षी यानी कांग्रेस मोर्चा में तालमेल ठीक नहीं होगा। सो, इन राज्यों में लेफ्ट गठबंधन से अलग है। बाकी राज्यों में उसके पास कोई राजनीतिक पूंजी नहीं है। फिर भी उसे हर जगह सीट चाहिए। सोचें, लेफ्ट पार्टियों ने हरियाणा में भी लोकसभा की सीट मांगी है। उन्हें राजस्थान में भी सीट चाहिए तो महाराष्ट्र में भी सीट चाहिए। लेफ्ट ने तेलंगाना में भी सीट मांगी है तो झारखंड में भी एक सीट की दावेदारी की है। बिहार में तो 10 सीटों की मांग करके लेफ्ट की पार्टियां कम से कम चार सीटों पर अड़ी हैं, जहां राजद और जदयू दो सीटें मुश्किल से निकाल पा रहे हैं। वैचारिक या सांगठनिक रूप से लेफ्ट किसी तरह का वैल्यू एडिशन विपक्षी गठबंधन में नहीं कर पा रहा है लेकिन सीट बंटवारे में उसकी वजह से बाधा आ रही है।

विपक्षी गठबंधन में क्या हो रहा है?

यह रहस्य है कि विपक्षी गठबंधन श्इंडियाग्र के अंदर क्या हो रहा है। विपक्षी नेताओं की आखिरी बैठक 19 दिसंबर को हुई थी। उसके बाद साइडलाइंस का कुछ बैठकें हुई हैं। श्इंडियाग्र की आखिरी बैठक में तय किया गया था कि तीन हफ्ते में सीट बंटवारा फाइनल कर लिया जाएगा। ध्यान रहे तीन हफ्ते की यह डेडलाइन भी कई बार की विफलता के बाद तय हुई थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बेंगलुरू में हुई दूसरी बैठक के समय यानी जुलाई से ही दबाव डाल रहे थे कि जल्दी सीट बंटवारा किया जाए। ममता ने तो 31 अक्टूबर की डेडलाइन दी थी। लेकिन तीन राज्यों के चुनाव की वजह से तीन महीने से ज्यादा समय तक श्इंडियाग्र को कोई बैठक ही नहीं हुई। जब कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों में हारी तो आनन–फानन में मीटिंग की एक तारीख तय की, जिसे विपक्षी नेताओं ने खारिज कर दिया। उसके बाद 19 दिसंबर को बैठक हुई, जिसमें तीन हफ्ते की समय सीमा तय की गई। अब उस बैठक के तीन क्या पांच हफ्ते बीत चुके हैं और कहीं भी सीट बंटवारे की बात तय नहीं हुई है। कुछ राज्यों को लेकर शुरुआती बातचीत जरूर हुई है लेकिन फैसला कहीं हो पाया है। उलटे कई राज्यों में बातचीत में बाधा आ गई है, जिसके बाद वार्ता बंद हो गई है। आम आदमी पार्टी के साथ कई दौर की बातचीत हुई लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि पंजाब को लेकर कोई तालमेल नहीं होगा इसी तरह ममता बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल छोड़ कर वे बाकी जगह तालमेल के लिए तैयार हैं तो सीपीएम ने कहा है कि केरल छोड़ कर बाकी जगह उसे तालमेल करना है। हालांकि इनमें से किसी के साथ अंतिम समझौता नहीं हुआ है। इसी तरह 19 दिसंबर के बाद हुई एक वर्चुअल बैठक में एक और बहुत अहम फैसला हुआ था। सूत्रों के हवाले से ही खबर आई थी लेकिन खबर पक्की थी कि सभी नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को श्इंडियाग्र का अध्यक्ष बनाने की सहमति दे दी है। उस दिन नीतीश कुमार को लेकर कुछ विवाद भी हुआ और बाद में खुद नीतीश ने संयोजक बनने से मना कर दिया। लेकिन अध्यक्ष का नाम तय कर दिया था। फिर दो हफ्ता बीत जाने के बाद भी अभी तक आधिकारिक रूप से गठबंधन के अध्यक्ष के तौर पर खडगे के नाम की घोषणा नहीं हुई है। सोचें, जब विपक्षी पार्टियों के नेता अपने गठबंधन का अध्यक्ष नहीं तय कर पा रहे हैं तो उससे नेतृत्व को लेकर आम लोगों में क्या मैसेज जा रहा होगा! ऐसे ही विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने हर महीने एक बैठक करने का फैसला किया था। लेकिन साढ़े तीन महीने बाद हुई 19 दिसंबर की बैठक के बाद फिर एक महीने से ज्यादा हो गए लेकिन बैठक नहीं हुई है। मुंबई की बैठक में एक सितंबर को तय हुआ था कि विपक्ष की साझा रैली होगी। पिछले दिनों की बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खडगे के हवाले खबर आई थी कि आठ साझा रैलियां होंगी। लेकिन अभी तक एक भी रैली की घोषणा नहीं हुई है। मुंबई की बैठक के बाद भोपाल में साझा रैली प्रस्तावित थी, जिसे चुनाव की वजह से कमलनाथ ने रद्द कर दिया था। उसके बाद से विपक्ष के सभी नेताओं के एक मंच पर आने का इंतजार हो रहा है।

ममता की है दबाव की राजनीति

पश्चिम बंगाल की मुख्मयंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी क्या दबाव की राजनीति कर रही है या सचमुच उनका इरादा पश्चिम बंगाल में अकेले लडने का है? उन्होंने बुधवार को मीडिया के सामने आकर कहा कि वे राज्य की सभी 42 सीटों पर अकेले लड़ेंगी। उससे पहले उनकी ओर से कहा जा रहा था कि वे कांग्रेस को दो सीटें दे सकती हैं। उन्होंने कांग्रेस को उसकी जीती हुई बहरामपुर और माल्दा दक्षिण की सीट देने का प्रस्ताव दिया था, जिसे प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ममता बनर्जी की दया की जरुरत नहीं है। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि अधीर रंजन चौधरी ने पार्टी आलाकमान को बताया कि पांच–छह सीटें तो वे अपने दम पर कांग्रेस को मजबूती से लड़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब भाजपा और तृणमूल के बीच आमने सामने की लड़ाई थी तब लेफ्ट का सफाया हो गया लेकिन कांग्रेस दो सीट जीतने में कामयाब रही। इस बार वे कांग्रेस की स्थिति बेहतर मान रहे हैं।यही कारण है कि कांग्रेस घुटने नहीं टेक रही है। वह ममता बनर्जी की ओर से दिए जा रहे दो सीटों के प्रस्ताव को नहीं मानेगी। तभी कहा जा रहा है कि ममता ने दबाव की राजनीति के तहत आखिरी दांव चला है कि वे सभी सीटों पर लड़ेंगी। असल में उनके बयान से एक दिन पहले मंगलवार को सीपीएम ने कहा था कि अगर राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल होंगे तो सीपीएम उसमें हिस्सा नहीं लेगी। इसके बाद ही ममता ने नाराजगी जताई और यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की ओर से उनको राहुल की यात्रा की सूचना नहीं दी गई है।

ममता और नीतीश के बाद अब कांग्रेस को झटका देने की तैयारी में नजर आ रहे हैं अखिलेश यादव

अखिलेश यादव कई बार इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका को लेकर अपनी निराशा जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने साफ कह दिया कि नीतीश की पहल पर ये गठबंधन बना था लेकिन कांग्रेस ने इसे लेकर कोई तत्परता नहीं दिखाई। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि वह जनवरी के अंत तक गठबंधन में सीटों का बंटवारा कर देंगे। अखिलेश ने ऐसा किया भी। गत सप्ताह के अंत में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि कांग्रेस को 11 सीटें देने के साथ समझौता हो गया है, लेकिन इसके तत्काल बाद ही कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई और उसने साफ कह दिया कि वह इतनी सीटों पर राजी नहीं है। अब आगे क्या होगा, यह भी जल्द तय हो जायेगा। यदि कांग्रेस इतने पर नहीं मानी तो यूपी में भी इंडी गठबंधन टूट सकता है। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए बना इंडी गठबंधन उत्तर भारत में हासिये पर पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल और बिहार में इंडी गठबंधन की 'रीढ़' टूट चुकी है। आम आदमी पार्टी का रुख भी पंजाब को लेकर ऐसा ही नजर आ रहा है। अब बस उत्तर प्रदेश बचा है, लेकिन यहां भी हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी कांग्रेस के ढुलमुल रवैये से असहज महसूस कर रहे हैं। वहीं बसपा तो बाहर थी ही। बात जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की कि जाये तो अखिलेश ने उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सात लोकसभा सीटें समझौते के तहत दे दी हैं। इसी के साथ समाजवादी पार्टी ने अपने हिस्से की भी करीब–करीब सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की तलाश तेज कर दी है। कुछ सीटों पर उम्मीदवार तय भी हो गये हैं। इंडी गठबंधन का हाल यह है कि यूपी में समाजवादी पार्टी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से किनारा करके पीडीए यात्रा चला रखी है। उन्हें लगता है कि पीडीए ही एनडीए को हराएगी। हालात यह हैं कि समाजवादी पार्टी ने यहां तक घोषणा कर दी है कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश से गुजरने के दौरान पार्टी नेता उसमें शिरकत नहीं करेंगे। अखिलेश की बातों से लग रहा है कि वह भी नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की तरह इंडी गठबंधन से दूरी बनाने का फैसला कभी भी ले सकते हैं, लेकिन अखिलेश ने अभी तक इंडी गठबंधन के खिलाफ मुंह नहीं खोला है। अखिलेश यादव यह जरूर कह रहे हैं कि कांग्रेस को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। ममता बनर्जी को मनाएं और साथ में लें। साथ ही छोटे–छोटे दलों को भी साथ में रखें। नीतीश के इंडी गठबंधन से बाहर जाने से अखिलेश थोड़ा असहज जरूर हैं, लेकिन उनके पारिवारिक संबंध लालू के परिवार से होने के कारण वह (अखिलेश) नीतीश के साथ खड़ा नजर नहीं आना चाहते हैं। परंतु ममता बनर्जी का इंडी गठबंधन से दूरी बनाना अखिलेश को बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है। इसकी वजह ममता बनर्जी और अखिलेश के बीच अच्छी कैमिस्ट्री होना है। दरअसल, अखिलेश यादव कई बार इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका को लेकर अपनी निराशा जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने साफ कह दिया कि नीतीश की पहल पर ये गठबंधन बना था लेकिन कांग्रेस ने इसे लेकर कोई तत्परता नहीं दिखाई। अगर नीतीश इंडिया गठबंधन में रहते तो प्रधानमंत्री बन सकते थे। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन का जब ऐलान हुआ तो यूपी से राष्ट्रीय लोकदल के साथ समाजवादी पार्टी इसमें शामिल हुई थी, लेकिन समय बीतने के साथ कांग्रेस और अखिलेश यादव के रिश्ते बिगड़ते गए। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनावों में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच तनातनी सब ने देखी थी। बात लोकसभा चुनाव की कि जाये तो चुनाव में अब तीन महीने का समय बचा है लेकिन लोकसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग फार्मूला भी तय नहीं हो पा रहा है। दरअसल कांग्रेस चाहती है कि यूपी में 2009 के उसके प्रदर्शन के आधार पर उसे सीटें दी जाएं, जबकि अखिलेश इस पर राजी नहीं हैं। सपा की तरफ से पहले ही संदेश दिया जा चुका है कि यूपी में वह ही प्रमुख विपक्षी पार्टी है और जो भी सीटें दी जाएंगीं, वह उसे अपने पास से ही देगी। दूसरी तरफ यूपी

कांग्रेस का रुख भी समाजवादी पार्टी से अलग अपनी राह बनाने का दिख रहा है। वह सपा के कंधों पर रख कर बंदूक चलाना चाहती है। हाल यह है कि एक तरफ कांग्रेस में प्रदेश भर में यात्राएं कर जनाधार मजबूत करने की कवायद चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में सरयू स्नान के जरिये भी संदेश देने की कोशिश की गयी। वहीं सपा और कांग्रेस के बीच एक–दूसरे के लिए तल्ख बयानबाजी भी सामने आ रही है। पार्टी के नेताओं द्वारा कांग्रेस की नीयत पर सवाल उठाये जा रहे हैं, हालांकि अखिलेश यादव सीधे–सीधे कुछ भी कहने से बचते रहे हैं। कुल मिलाकर अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की ताजा स्थिति का लेकर कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की पहल पर भी गठबंधन को बनाया गया था, लेकिन पहली बैठक में ही कांग्रेस ज्यादा तत्पर नहीं दिखी। हालांकि अखिलेश यादव ने ये भी साफ कर दिया है कि वह प्रधानमंत्री पद की रेस में नहीं हैं, लेकिन यूपी में कांग्रेस के राहुल गांधी के साथ वह प्रचार करेंगे या नहीं इस पर उन्होंने बात समय पर छोड़ दी है। बात यूपी में गठबंधन की सियासत की करते हुए पिछले कुछ वर्षों में लोकसभा और विधानसभा चुनावों पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि यूपी में बीजेपी के खिलाफ गठबंधन होता रहता है। कभी कांग्रेस–सपा हाथ मिलाते हैं तो कभी पुरानी दुश्मनी भूलकर माया–अखिलेश एक हो जाते हैं। बात आगामी लोकसभा चुनाव के लिए इंडी गठबंधन की कि जाये तो अखिलेश के कांग्रेस के साथ आने से कांग्रेस को ही फायदा होगा। वर्तमान में सिर्फ रायबरेली की ही सीट कांग्रेस के पास है। समाजवादी पार्टी से सीट शेयरिंग होती है तो कहीं न कहीं कांग्रेस को उसके वोट बैंक का लाभ मिलेगा। वहीं अगर गठबंधन नहीं होता है तो कांग्रेस के लिए राहें आसान नहीं हैं। जमीन पर संगठन की उपस्थिति न के बराबर है। कांग्रेस के पास नेताओं की भी कमी है। उधर, भाजपा का संगठन इस समय सबसे मजबूत स्थिति में है। रायबरेली में भी इस बार कांग्रेस के लिए आसान मुकाबला होने नहीं जा रहा। वहीं बसपा भी बेहद कमजोर स्थिति में है। सपा के साथ गठबंधन के चलते ही वह 2019 में 10 सीटें जीत सकी थी। बसपा का हाल ये है कि उसका विधानसभा में सिर्फ एक विधायक है। मुस्लिम मतदाता पिछले विधानसभा चुनावों में अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं कि वह सपा के ही साथ हैं। ऐसे में सीट शेयरिंग की कमान अखिलेश यादव के पास ही है। खैर, समय और जरूरत के हिसाब से राजनेताओं को अपना चाल–चरित्र–चेहरा बदलते हुए देखना भले ही देश की जनता को अच्छा नहीं लगता हो, लेकिन नेताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वह जानते हैं कि जनता की याद्दाश्त काफी कमजोर होती है, वह कोई बात ज्यादा समय तक याद नहीं रखती है। इसी का फायदा हमारे नेता उठाते हैं। आज की तारीख में आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री इसकी सबसे बड़ी मिसाल हैं। जनता दल युनाइटेड के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तो पलटूराम तक की संज्ञा दी जाती है। इस कड़ी में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

आज समाजवादी नेता भले राम नाम की माला जप रहे हों, लेकिन उनकी पार्टी का दामन कारसेवकों के खून से सना है, यह बात भी भूली नहीं जा सकती है। अखिलेश की सियासत भी ऐसे ही नजर आ रही है

जिसको लेकर बीजेपी तो उन पर हमलावर है ही, सपा के साथ खड़े दलों के नेता भी अखिलेश को आईना दिखा रहे हैं।

विपक्ष के आकुल लपोरीलालों की ना–लायकी

पंकज शर्मा

विपक्षी दलों को एकमंचीय करने और उन्हें एकाकार बनाए रखने की प्रक्रिया अगर सोनिया की सीधी रहनुमाई में चली होती तो इंडिया–समूह के राजनीतिक दलों की संख्या 28 से कहीं ज़्यादा होती। मैं अपनी प्रामाणिक निजी जानकारी के आधार पर कह रहा हूं कि ठोस सियासी जनाधार रखने वाले कई राजनीतिक दल अभी भी ऐसे हैं, जो न इधर हैं, न उधर और जिन्हें मलाल है कि इंडिया–समूह की तरफ से उन से कायदे के किसी व्यक्ति ने संपर्क ही नहीं किया।

नरेंद्र भाई मोदी हम पर राज करने के कितने लायक हैं, कितने नहीं, इस पर तो बात तब करें, जब विपक्ष अपनी ना–लायकी से बाज आए। वे सब, जो नरेंद्र भाई के एकलखुरेपन से निजात चाहते हैं, आखिर किस प्रतिस्थापन के भरोसे अपनी हड्डियों का दान करें? 28 राजनीतिक दलों के उस इंडिया–समूह के सहारे, जिस में खुद्द ही सब एक–दूसरे का सहारा नहीं बन पा रहे हैं? जो दमड़ी के चक्कर में अपनी चमड़ी गंवाने को अक्ख्लमंदी समझ रहा है? जिस के अश्वमेधी रथ के तमाम दिग्गज अपने को एक–दूसरे से बड़ा लपोरीलाल साबित करने में लगे हुए हैं?

दिग्गज, दिग–गज होते हैं। हमारे पुराण कहते हैं कि दिग–गज वे आठ हाथी हैं, जो आठों दिशाओं में पृथ्वी की रक्षा के लिए स्थापित किए गए हैं। पूर्व में ऐरावत, पश्चिम में अंजन, उत्तर में सार्वभौम और दक्षिण में वामन। इन के अलावा पूर्वदक्षिण कोने में पुंडरीक, दक्षिणपश्चिम में कुमुद, पश्चिमउत्तर कोने में पुष्पदंत और उत्तरपूर्व कोने में सुप्रतीक। इंडिया–समूह के दिग्गजों दृ नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी, सीताराम येचुरी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, शरद पवार और मल्लिकार्जुन खडगे दृ में से मुझे तो ज़्यादातर ऐसे लगते हैं, जो विपक्षी–पृथ्वी की रक्षा में कम, अपनी–अपनी दिशाओं का द्वारपाल बने रहने के लिए ज़्यादा आतुर दिखाई दे रहे हैं।

तो ऐसे में सिंहासन को हर हाल में, हर हथकंडा अपना कर, अपने कब्ज्जे में बनाए रखने को व्याकुल नरेंद्र भाई के प्रतिकार के लिए, हम पिद्दी–पिद्दी आकांक्षाओं को मुख्रीबंद करने के लिए उतने ही आकुल चेहरों पर, अपना सर्वस्व कैसे उंडेल दें? खुद्द की साखध पर खुद्द ही बट्टा लगाने में लगे इंडिया–समूह के कुछ सूत्रधारों की सियासी कामवासना का ओछापन देख–देख कर मैं तो पिछले कुछ दिनों से अवसन्नता के सागर में डूब–उतरा रहा हूं। मुझे चिंता इन चिरकुटी–चेहरों की नहीं, इस बात की है कि अगर सकल–विपक्ष के एकमंचीय होने का यह मौजूदा प्रयास नाकाम रहा तो भारवासियों का विश्वास आने वाले दस–बीस बरस के लिए समूचे विपक्ष से उठ जाएगा।

समूचे यानी समूचे। अगर अखिल भारतीय उपस्थिति वाले किसी विपक्षी राजनीतिक दल को यह खघमखघ्याली हो कि लोग सिर्फर्द क्षेत्रीय दलों के खघमखघ्वाह विराट हो गए बौने क्षत्रपों को इस पाप का भागी मानेंगे और इस से अंततरू एक दिन आएगा कि उस की झोंपड़ी के भाग्य खुल जाएंगे तो दिमाग के ये जाले साफ होने में देर नहीं लगेगी। लोग मानते हैं कि विपक्ष की जाजम पर जिस की जितनी हिस्सेदारी है, उस की उतनी ही जिघ्म्मेदारी भी है। भारतीय समाज में छोटों की तो बड़ी खघ्ताएं भी माफ हो जाया करती हैं, मगर बड़ों की छोटा–सा कुसूर भी उन के लिए बरसों का नासूर बन जाता है। सो, ऐसा कभी नहीं होने वाला है कि विपक्षी मंडलेश्वरों से निराश लोग इसलिए किसी महामंडलेश्वर की शरण में चले जाएंगे कि उस के सिर पर जरा बड़ा और दैशिक छत्र तना हुआ है। विश्वास के संकट का सैलाब आएगा तो सब–कुछ अपने साथ बहा ले जाएगा।

इवीएम के बटन नरेंद्र भाई मोदी की उंगलियों के इशारे पर नाचते हैं या नहीं, मुझे नहीं मालूम। अगर नाचते हैं, इसलिए वे दस साल से हमारे कंधों पर सवार हैं तो उन की इस बैताली को सलाम कीजिए। अगर नहीं नाचते हैं, फिर भी वे दस बरस से लगातार चुनावी समर्थन की सीढियां दौड़–दौड़ कर चढ़ रहे हैं तो उन के परिश्रम और ऊर्जा का अभिनंदन कीजिए। दोनों ही स्थितियों में नरेंद्र भाई के गले से जयमाला निकालने के लिए क्या किसी के पास कोई जुगत है? उन की बैताली का तोड़ पहले तो आप लाएंगे कहां से और अगर ले भी आए तो आप की गुहार सुनने वाले कान कहीं हैं क्या? उन की मेहनत और जोश का पहले तो कोई जवाबी पोस्टकार्ड आप के पास है नहीं और अगर यह खघ्त आप ने रच भी लिया तो उसे यार–ए–बाम तक ले जाने वाले कबूतर कहीं हैं क्या? दस–बीस साल से अपनी सियासी टोलियों में जिन्होंने लिपिक भर्ती अभियान के तहत नियुक्तियां की हैं, वे रातोंरात पैदल सैनिकों को कैसे जन्म दे देंगे?

इसलिए नीतीश कुमार अगर बीच–बीच में अपना मटमैलापन नहीं भी दिखाते, ममता बनर्जी कोप भवन के भीतर–बाहर नहीं भी हो रही होतीं, अरविंद केजरीवाल फूफागिरी नहीं भी कर रहे होते और अखिलेश यादव के कघ्दम गाहे–ब–गाहे नहीं भी लडखड़ा रहे होते तो भी क्या इंडिया–समूह 2024 की गर्मियों में रायसीना पर्वत पर अपना ध्वज वंदन कर लेता? शायद नहीं कर पाता। मगर अगर यह बेसुरा कमरमटक्का नहीं हो रहा होता तो हर जगह साझा प्रत्याशी खड़े करने के बावजूद लोकसभा चुनाव में उसे जो भी डेढ़–दो सौ सीटें मिलतीं, कम–से–कम इज्जत से तो मिलतीं। इन दिनों चल रहे प्रहसन के बाद तो केंद्र में विपक्ष की सरकार भी बन जाए तो वह अगर–मगर–किंतु–परंतु के चीथड़ों में ही लिपटी दिखाई देगी।मैं अब भी यह तो नहीं कहूंगा कि कांग्रेस एक बड़ा मौकघ पूरी तरह चूक गई है। लेकिन यह जरूर है कि वह एक अहम अवसर खो रही है। मुट्ठी से फिसल रही रेत को थामने की संजीदा कोशिश अगर वह आज से भी आरंभ कर दे तो इंडिया–समूह बदशक्ध्ल होने से बच सकता है। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस ने इंडिया–समूह के अंतर्विरोधों के तानेबानों को सुलझाने में शुरू से इतनी उदासीनता क्यों बरती? क्या जानबूझ कर? क्या नादानी में? क्या अति–आत्मविश्वास के चलते? क्या लिपिकों की मूढ़ सलाहों के चलते? क्या आगत के आसार बेहद धुंधले देख कर? क्या यह सोच कर कि ऐसे–ऐसे मेंढकों को तोलने वाली तराजू वह लाए कहां से?

जो भी हो। हालांकि यह काम छह महीने पहले से ही होना चाहिए था, मगर मैं आश्वस्त हूं कि आज भी अगर इंडिया–समूह की एकीकरण–डोरियां सोनिया गांधी के पल्लू में बांध दी जाएं तो पूरा दृश्य ही बदल जाएगा। कोई नीतीश, कोई ममता, कोई केजरीवाल, कोई अखिलेश, सोनिया के नेकनीयत और पारदर्शक उपक्रम के तंतु तोडने का पाप करने से पहले कई–कई बार सोचेगा। विपक्षी दलों को एकमंचीय करने और उन्हें एकाकार बनाए रखने की प्रक्रिया अगर सोनिया की सीधी रहनुमाई में चली होती तो इंडिया–समूह के राजनीतिक दलों की संख्या 28 से कहीं ज़्यादा होती। मैं अपनी प्रामाणिक निजी जानकारी के आधार पर कह रहा हूं कि ठोस सियासी जनाधार रखने वाले कई राजनीतिक दल अभी भी ऐसे हैं, जो न इधर हैं, न उधर और जिन्हें मलाल है कि इंडिया–समूह की तरफ से उन से कघयदे के किसी व्यक्ति ने संपर्क ही नहीं किया।सो, कोई माने तो ठीक, न माने तो ठीक, सच्चाई यही है कि नरेंद्र भाई को सच्चे मन से टक्कर देने का थोड़ा भी जज्बा अगर विपक्ष में बन जाए तो, जीत–हार छोडिए, भारतीय जनता पार्टी की चूलें तो बुरी तरह हिल जाएं। राजनीति भले ही गणित हो, लेकिन वह दौड़ती तभी है, जब सोच–समझ वाले इतना समझ लें कि दो और दो का अर्थ हमेशा चार नहीं होता है। कुछ कघ्दम बिना हिसाब–किघ्ताब लगाए भी जब कोई चलने को तैयार होता है, मंजिघ्लें तभी करीब आती हैं।

बिहार तो सिर्फ एक झलक है

नीतीश कुमार के पाला बदल लेने से विपक्षी दलों के बीच जो अराजकता और बेचौनी बढ़ी है, उसके जिम्मेदार वे स्वयं हैं। बेशक नीतीश कुमार का पाला बदलना अनैतिक हो सकता है, पर कांग्रेस की अगुआई वाले श्इंडियाश गठबंधन ने इसे होने दिया। जून, 2023 से, जब श्इंडियाश गठबंधन अस्तित्व में आया, कमेटी राज, कई शक्ति केंद्र, एक ही पार्टी को प्रमुखता और संवाद की कमी ने इसका संकेत दे दिया था। यह सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन कुछ अस्पष्ट कारणों से कांग्रेस ने अपने ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने या गठबंधन का अध्यक्ष बनने से इन्कार कर दिया। इसने एक क्षेत्रीय क्षत्रप को संयोजक के पद से वंचित करने, गठबंधन सचिवालय की स्थापना करने या नेतृत्व के मुद्दे को निपटाने की संभावनाओं को खत्म कर दिया।

इस तरह से, इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी पूरी तरह से कांग्रेस और गांधी परिवार की है, खासकर राहुल गांधी की, जिन्होंने सीट समायोजन के लिए गठबंधन में आम सहमति बनाने के बजाय न्याय यात्रा को चुना। गांधी परिवार को अफसोस हो रहा होगा कि कैसे उन्होंने नीतीश को श्इंडियाश गठबंधन का संयोजक बनाकर शांत करने का सुनहरा मौका गंवा दिया। सभी लोग जब नीतीश को संयोजक बनाने पर सहमत हो गए थे, तब राहुल ने कथित तौर पर तर्क दिया कि चूंकि ममता बनर्जी नहीं थीं, इसलिए उनकी सहमति ली जानी चाहिए।

अगले दो सप्ताह तक राहुल इसे या तो भूल गए या नजर अंदाज करने का फैसला लिया। ममता के साथ कोई बातचीत नहीं हुई, अंततः निराश नीतीश ने भाजपा के साथ मिलने का फैसला किया। भाजपा की रणनीति 2024 के चुनाव में अपनी संभावनाओं को मजबूत करने से ज्यादा विपक्षी गठबंधन को लोकसभा सीटों से वंचित करने से प्रेरित है।

अब मई, 2024 के बाद की पटकथा लिखने की कोशिश हो रही है, जिसमें क्षेत्रीय दल कांग्रेस को दोषी ठहराने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस के भीतर भी राहुल के वफादार नेता खरगे को दोषी ठहराने में रुचि रखते हैं, जबकि कांग्रेस के भीतर आम तौर पर लोग राहुल के खिलाफ हैं। प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति संकेत देती है कि 10 जनपथ के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। मई, 2024 के बाद कांग्रेस में औपचारिक विभाजन को खारिज नहीं किया जा सकता है।

नीतीश कुमार के इस पालाबदल से जहां विपक्षी गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है, वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। हालांकि हिंदी पट्टी में भाजपा की स्थिति मजबूत है, पर पार्टी किसी तरह का जोखिम लेना नहीं चाहती थी। इसलिए नीतीश को अपने पाले में लाकर उसने कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन की जो थोड़ी भी संभावना थी, उसे ध्वस्त कर दिया है। इसके अलावा, भाजपा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह एक और राज्य में सत्ता में साझेदार बन गई है और जदयू के लिए राहत की बात है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उसके नेता नीतीश कुमार ही बने हुए हैं। जब–जब भाजपा और जदयू ने मिलकर चुनाव लड़ा है, उसके नतीजे अच्छे ही आए हैं।

पिछली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर बिहार की 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य में मुख्यमंत्री कौन बनेगा, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव था। भाजपा की रणनीति है कि विपक्षी गठबंधन की एकता को झटका देकर कैसे उसे लोकसभा सीटों से वंचित रखा जाए। पश्चिम बंगाल और पंजाब में पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार पैदा हो गई है, हालांकि तृणमूल कांग्रेस और आप अभी इंडिया गठबंधन में बने हुए हैं। विपक्षी एकता के बारे में कहना जितना आसान है, उतना करना नहीं। अतीत में कई ऐसे मौके आए हैं, जब विभिन्न दलों एवं विचारधाराओं के लोग 1977, 1989, 1996, और 2004 में एकजुट हुए। वर्ष 1977 में जब शक्तिशाली इंदिरा गांधी को पराजित किया गया था, तो विपक्षी जहाज को सहारा देने के लिए एक लंगर था। जयप्रकाश नारायण की पहल पर चार प्रमुख विपक्षी पार्टियां–कांग्रेस (ओ), जनसंघ, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय लोक दल 23 जनवरी, 1977 को एकजुट हुईं और जनता पार्टी बनाईं।

इसी तरह, 1989 में दक्षिणपंथी और वामपंथी दल ने विश्वनाथ प्रताप सिंह के साथ राजीव गांधी को सरकार बनाने का मौका नहीं दिया, हालांकि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

सोमालिया के लुटेरों ने हाईजैक किया ईरानी जहाज, भारत ने युद्धपोत भेजकर छुड़ाया

आईएनएस सुमित्रा, सोमालिया के पूर्वी तट और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती विरोधी अभियानों पर ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज ईमान के अपहरण के संबंध में एक संकट संदेश का जवाब दिया। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि भारतीय नौसेना की आईएनएस सुमित्रा ने सोमवार को सोमालिया के पूर्वी तट और अदन की खाड़ी में समुद्री डाकुओं द्वारा अपहृत मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया। समुद्री डकैती रोधी अभियानों पर वहां तैनात, आईएनएस सुमित्रा ने एक व्यथित संदेश के बाद ईमान नामक अपहृत ईरानी–ध्वजांकित मछली पकड़ने वाले जहाज (एफवी) की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित की। अधिकारियों के मुताबिक, जहाज पर सोमालियाई समुद्री डाकू सवार थे और इसके 17 सदस्यीय चालक दल को बंधक बना लिया गया था। आईएनएस सुमित्रा, सोमालिया के पूर्वी तट और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती विरोधी अभियानों पर ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज ईमान के अपहरण के संबंध में एक संकट संदेश का जवाब दिया। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा कि जहाज पर समुद्री डाकू सवार थे और चालक दल को ले जाया गया था। मधवाल ने कहा कि आईएनएस सुमित्रा ने जहाज को रोका और नाव के साथ चालक दल की सुरक्षित रिहाई के लिए समुद्री डाकुओं को मजबूर करने के लिए स्थापित एसओपी के अनुसार कार्रवाई की। मछली पकड़ने वाले जहाज को बाद में

साफ किया गया और आगे के पारगमन के लिए छोड़ दिया गया। मधवाल ने कहा कि मिशन ने हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती रोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों पर भारतीय नौसेना के जहाजों को तैनात किया, जो समुद्र में सभी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना के संकल्प का प्रतीक है। हालिया घटना लाल सागर और अरब सागर के क्षेत्रों सहित क्षेत्र के भीतर व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने वाले ड्रोन और समुद्री डाकू हमलों के चल रहे क्रम का हिस्सा है। 7 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुए इस्राइल–हमास युद्ध के बाद लाल सागर में ईरान समर्थित यमन के हौथी मिलिशिया द्वारा कई व्यापारिक जहाजों को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया है।

यूएसए में एक बेघर नशेड़ी ने हथौड़े से वार कर भारतीय छात्र की हत्या की

दिल दहला देने वाली यह घटना कैमरे में कैद हो गई है जिसमें हमलावर जूलियन फॉकनर हाल में एमबीए करने वाले भारतीय छात्र विवेक सैनी के सिर पर हथौड़े से करीब 50 बार बेरहमी से वार करते नजर आ रहा है। 'एम9श न्यूज चौनल ने रविवार को बताया कि सैनी, फॉकनर को शरण देने वाले स्टोर में अंशकालिक क्लर्क के तौर पर काम करता था। न्यूयॉर्क। अमेरिका में जॉर्जिया के लिथोनिया शहर में एक बेघर नशेड़ी ने उसकी मदद करने वाले 25 वर्षीय भारतीय छात्र के सिर पर करीब 50 बार हथौड़े से हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई। दिल दहला देने वाली यह घटना कैमरे

में कैद हो गई है जिसमें हमलावर जूलियन फॉकनर हाल में एमबीए करने वाले भारतीय छात्र विवेक सैनी के सिर पर हथौड़े से करीब 50 बार बेरहमी से वार करते नजर आ रहा है। 'एम9श न्यूज चौनल ने रविवार को बताया कि सैनी, फॉकनर को शरण देने वाले स्टोर में अंशकालिक क्लर्क के तौर पर काम करता था। चौनल ने कहा कि सैनी ने फॉकनर की मदद करते हुए उसे चिप्स, कोक, पानी और ठंड से बचने के लिए एक जैकेट भी दी थी लेकिन बाद में सुरक्षा संबंधी चिंता के कारण उसने फॉकनर से जाने का अनुरोध किया और कहा कि अन्यथा वह पुलिस की मदद लेगा। सैनी 16 जनवरी को अपने घर जा रहा था तभी फॉकनर ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर फॉकनर को सैनी के शव पर खड़े पाया। बीटेक पूरा करने के बाद दो साल पहले अमेरिका आए सैनी ने हाल में 'बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की थी। हरियाणा में रह रहा सैनी का परिवार इस निर्मम घटना के बाद से शोक में है। उसके पिता गुरजीत सिंह और मां ललिता सैनी इस घटना के बारे में किसी से बात करने की स्थिति में नहीं है।

मालदीव में मुइज्जू आउट की तैयारी शुरू, मुख्य विपक्षी एमडीपी संसदीय समूह महाभियोग लाने पर हुआ सहमत

मुख्य विपक्षी एमडीपी एमडीपी के पास संसद में बहुमत है। कहा जा रहा है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर महाभियोग प्रस्ताव पेश करने के लिए पर्याप्त हस्ताक्षर जुटा लिए गए हैं। एमडीपी के एक विधायक ने सोमवार दोपहर सन को बताया कि एमडीपी ने डेमोक्रेट के साथ साझेदारी में महाभियोग प्रस्ताव के लिए पर्याप्त हस्ताक्षर जुटा लिए हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू अपनी नीतियों और बयानों की वजह से विपक्ष के निशाने पर हैं। उससे पहले भी विपक्षी दल मुइज्जू के भारत विरोधी रुख और चीन से बढ़ती यारी पर सवाल उठा चुके हैं। लेकिन अब लग रहा है कि भारत विरोधी मोइज्जू सरकार का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मालदीव एमडीपी संसदीय समूह राष्ट्रपति मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग प्रस्तुत करने पर

सहमत हो गया है। मुख्य विपक्षी एमडीपी एमडीपी के पास संसद में बहुमत है। कहा जा रहा है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर महाभियोग प्रस्ताव पेश करने के लिए पर्याप्त हस्ताक्षर जुटा लिए गए हैं। एमडीपी के एक विधायक ने सोमवार दोपहर सन को बताया कि एमडीपी ने डेमोक्रेट के साथ साझेदारी में महाभियोग प्रस्ताव के लिए पर्याप्त हस्ताक्षर जुटा लिए हैं। मालदीव एक ऐसा देश जहां कभी बौद्ध धर्म के लोग भी थे, तो हिंदुओं की संख्या भी रही। वो देश जो हमेशा भारत का दोस्त रहा। लेकिव अब वहां हाल ही में राष्ट्रपति बने मोहम्मद मुइज्जू की नीतियों की वजह से भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आ गई। मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से ही भारत की चिंता बढ़ने लगी। मोइज्जू हमेशा से खुले तौर पर भारत के विरोध में नजर आए हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान भी इंडिया आउट का नारा दिया था। जिसके बाद उन्हें बहुमत से जीत मिली। राष्ट्रपति मुइज्जू का झुकाव चीन की ओर ज्यादा है। हाल ही में चीन से लौटने के बाद मोइज्जू ने पहला कदम भारत के खिलाफ ही था। मुइज्जू ने भारतीय सैनिकों को वापस लौटने का फरमान फिर से जारी कर दिया।बीते दिन मालदीव की संसद में सांसद एक–दूसरे से भिड़ गए, जिससे राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कैबिनेट मंत्रियों के लिए संसदीय मंजूरी लेने के लिए बुलाए गए विशेष सत्र में बाधा उत्पन्न हुई। ऑनलाइन वायरल वीडियो के अनुसार, संसद में तब अराजकता फैल गई जब सांसदों के बीच लात–घूंसे चल गए। व्यापक रूप से साझा की गई क्लिप में कुछ सदस्यों को एक–दूसरे को पोडियम से नीचे खींचते हुए भी दिखाया गया है।

चोट खाए रिश्तों पर मरहम लगाने की कोशिश, ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे पाकिस्तान

इस्लामाबाद पहुंचने वाले हुसैन अमीर–अब्दुल्लाहियन की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए कहा कि वह अपने स्थानीय समकक्ष जलील अब्बास जिलानी के साथ बातचीत करेंगे और कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवर–उल–हक काकर से मुलाकात करेंगे। 18 जनवरी को, पाकिस्तान ने अपने क्षेत्र पर इसी तरह के ईरानी हमलों के दो दिन बाद, ईरान में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए।ईरान के विदेश मंत्री सोमवार को वार्ता के लिए पाकिस्तान में थे, क्योंकि दोनों देशों ने घातक सीमा पार हमलों के बाद राजनयिक संबंधों को खतरे में डालने के बाद तनाव कम करने की कोशिश की थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने रविवार देर रात इस्लामाबाद पहुंचने वाले हुसैन अमीर–अब्दुल्लाहियन की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए कहा कि वह अपने स्थानीय समकक्ष जलील अब्बास जिलानी के साथ बातचीत करेंगे और कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवर–उल–हक काकर से मुलाकात करेंगे। 18 जनवरी को, पाकिस्तान ने अपने क्षेत्र पर इसी तरह के ईरानी हमलों के दो दिन बाद, ईरान में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए। दक्षिणपूर्वी ईरान के सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत में बंदूकधारियों ने नौ लोगों की हत्या कर दी, इस्लामाबाद के राजदूत ने उनकी पहचान पाकिस्तानी के रूप में की। सिस्तान–बलूचिस्तान शिया बहुल ईरान के कुछ मुख्यतः सुन्नी मुस्लिम प्रांतों में से एक है। इसमें सीमा पार से नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोहों और बलूच जातीय अल्पसंख्यक विद्रोहियों के साथ–साथ जिहादियों से जुड़ी लगातार अशांति देखी गई है। शुरुआती ईरानी हमलों, जिसके बारे में पाकिस्तान ने कहा था कि कम से कम दो बच्चे मारे गए, पर इस्लामाबाद ने तीखी आलोचना की, जिसने तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया और ईरान के दूत को अपने पद पर लौटने से रोक दिया। तेहरान ने पाकिस्तान के हमलों पर इस्लामाबाद के प्रभारी डीश्एफेयर को भी तलब किया, जिसमें कम से कम नौ लोग मारे गए। हालाँकि, दोनों देशों ने घोषणा की है कि उन्होंने तनाव कम करने और राजनयिक मिशनों को फिर से शुरू करने का फैसला किया है और दोनों राजदूत अपने पदों पर लौट आए हैं।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में आया एक और नाम, क्या बिगड़ सकता है ट्रंप–बाइडेन का खेल ?

मैनचिन ने न्यू हैम्पशायर, साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया जैसे राज्यों में अपनी यात्रा के दौरान कहा कि उनका मानना है कि उनकी एक राष्ट्रीय महत्व की भूमिका है। मैनचिन बाइडेन के साथ एक बैठक की उम्मीद कर रहे हैं ताकि वो राष्ट्रपति से उनके प्रचार के तरीके को बदलने की अपील कर सकें। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक और नया नाम उभर कर सामने आया है। सीनेटर जो मैनचिन ने कहा कि वो बिल्कुल खुद को राष्ट्रपति के रूप में देख सकते हैं। वेस्ट वर्जीनिया डेमोक्रेट ने लोगों से कहा है कि जो बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर चिंता या डोनाल्ड ट्रम्प की सजा उन्हें इस साल स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का मौका दे सकती है। न्यू हैम्पशायर, साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया जैसे राज्यों में रुकने के दौरान, मैनचिन कहते हैं कि उनका मानना ध्ध्है कि राजकोषीय रूप से जिम्मेदार और सामाजिक रूप से दयालु राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में उनकी भूमिका है, जो वर्मोंट सीनेटर बर्नी सैंडर्स की भूमिका के बराबर है। मैनचिन ने न्यू हैम्पशायर, साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया जैसे राज्यों में अपनी यात्रा के दौरान कहा कि उनका मानना है कि उनकी एक राष्ट्रीय महत्व की भूमिका है। मैनचिन बाइडेन के साथ एक बैठक की उम्मीद कर रहे हैं ताकि वो राष्ट्रपति से उनके प्रचार के तरीके को बदलने की अपील कर सकें। मैनचिन व्हाइट हाउस में ट्रंप की वापसी की संभावना को श्हर उस व्यक्ति के लिए बहुत चिंताजनक बतातें है जो देश से प्यार करता है। इस बीच, मैनचिन

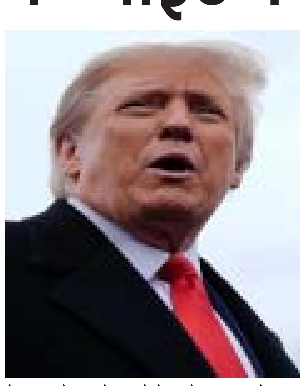

में बाइडेन के एजेंडे को उलटने की तीन साल की थकावट ने राष्ट्रपति और शीर्ष सहयोगियों को दूरी बनाए रखने के लिए मजबूर कर दिया है, वे सीधे उनके पास जाकर उन्हें नाराज करने का जोखिम उठाए बिना यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वह क्या कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि मैनचिन अंततः स्वतंत्र चुनाव के खिलाफ खुद ही निर्णय लेंगे। लेकिन वे जानते हैं कि काउंटी की यात्रा कर रहे एक डेमोक्रेटिक सीनेटर ने चेतावनी दी है कि बिडेन को राजनीतिक वामपंथ की ओर बहुत दूर खींच लिया गया है, यह एक समस्या होगी, खासकर जब राष्ट्रपति और उनके सहयोगी अपने 2020 गठबंधन को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें सैंडर्स समर्थकों से लेकर ट्रम्प विरोधी तक शामिल हैं।

गाजा में नरसंहार पर आईसीजे ने क्या कहा ? अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले को मानने के लिए कितना बाध्य है इजरायल

इजराइल के इस तर्क को खारिज करते हुए कि अदालत के पास अंतरिम उपायों का आदेश देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। ये फैसले ऐसे समय में आए हैं जब युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय मांगें बढ़ रही हैं, जिससे हाल के हफ्तों में इजरायल और उसके अमेरिकी समर्थकों पर दबाव बढ़ रहा है। क्या गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच इजराइल फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार कर रहा है? ये एक बड़ा सवाल है जिसे दक्षिण अफ्रीका ने उठाया था। इस महीने की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में 17 न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा सुना गया था। 26 जनवरी को विश्व अदालत ने इजराइल को नरसंहार के कृत्यों को रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय करने का निर्देश दिया, हालांकि, पूर्ण युद्धविराम का आह्वान करने से रोक दिया। इजराइल के इस तर्क को खारिज करते हुए कि अदालत के पास अंतरिम उपायों का आदेश देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। ये फैसले ऐसे समय में आए हैं जब युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय मांगें बढ़ रही हैं, जिससे हाल के हफ्तों में इजरायल और उसके अमेरिकी समर्थकों पर दबाव बढ़ रहा है। टाइम पत्रिका के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 11 और 12 जनवरी को दो दिवसीय सुनवाई के दौरान विश्व अदालत को बताया कि गाजा पट्टी में इजराइल की कार्रवाई 1948 के नरसंहार सम्मेलन का उल्लंघन था, जिसमें इजराइल एक पक्ष है। दक्षिण अफ्रीका के सरकारी वकीलों के अनुसार, इजरायली

नेताओं का इरादा गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनियों के लिए मौत की स्थितियाँ पैदा करना था। इजराइली अधिकारियों द्वारा वीडियो और सार्वजनिक बयान अदालत में प्रस्तुत किए गए, उनमें रक्षा मंत्री योव गैलेंट का अक्टूबर का बयान भी शामिल था कि इजराइल इस क्षेत्र की पूर्ण घेराबंदी करेगा क्योंकि यह ष्मानव जानवरोंष के साथ युद्ध में लगा हुआ था। नरसंहार के आरोप को इजरायली वकीलों ने सिरे से खारिज कर दिया है। उसका दावा है कि देश की सेना ने अक्टूबर के अंत में आक्रमण से पहले नागरिकों को खाली करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया था। उन्होंने कहा कि संघर्ष की शुरुआत में बंद होने के बाद इजराइल ने सहायता वितरण शुरू कर दिया था। नागरिकों को नुकसान से बचाने के अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए, इजराइल ने अपनी रक्षा के हिस्से के रूप में सैन्य और सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी 30 से अधिक गुप्त आदेश जारी किए। अदालत को यह तय करना था कि क्या इजराइल के कथित कृत्य नरसंहार सम्मेलन के तहत थे और क्या प्रस्तावित प्रतिबंध वास्तव में गाजा में फिलिस्तीनियों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक थे, यह तय करने से पहले कि क्या दक्षिण अफ्रीका द्वारा अनुरोध किए गए सभी या किसी भी आपातकालीन उपाय को लागू किया जाए। अदालत ने दक्षिण अफ्रीका द्वारा लाए गए नरसंहार के मामले में इजरायली नेताओं को कुछ और राहत की पेशकश की, जो दुनिया के सबसे कठिन संघर्षों में से एक के मूल में जाता है, द के अनुसार। संबंधी प्रेस। किसी प्रकार के संघर्ष विराम या लड़ाई में विराम के बिना अदालत के आधा दर्जन आदेशों को हासिल करना मुश्किल होगा। अदालत के अध्यक्ष जोन ई. डोनॉग्यू ने यह स्वीकार करने से पहले कहा कि अदालत इस क्षेत्र में सामने आ रही मानवीय त्रासदी की सीमा से पूरी तरह अवगत है और जीवन की निरंतर हानि और मानवीय पीड़ा के बारे में गहराई से चिंतित है। इस फैसले ने इजराइल के युद्धकालीन आचरण की भारी भर्त्सना की और लगभग 4 महीने पुराने हमले को रोकने के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव को जोड़ा, जिसमें 26,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। क्या अंतरिम फैसला बाध्यकारी है? दक्षिण अफ्रीका और इजराइल अदालत के फैसले के खिलाफ अपील नहीं कर सकते क्योंकि वे दोनों संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं और इसलिए इसके फैसलों से बंधे हैं। फिर भी, आईसीजे के पास अपने आदेशों को लागू करने के किसी भी साधन का अभाव है। एक अन्य विकल्प दक्षिण अफ्रीका या अन्य देशों के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को लिखना है, जिसके सदस्यों से इजराइल को आईसीजे के आपातकालीन उपायों का पालन करने के लिए वोट देने का आग्रह किया जाएगा। गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से, अमेरिका पहले ही अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल उन प्रस्तावों को रोकने के लिए कर चुका है, जिनमें युद्धविराम और अपने करीबी सहयोगी, इजराइल से जिम्मेदारी की मांग की गई थी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हालाँकि, अल जजीरा की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों

ने चेतावनी दी है कि वैश्विक नियम–आधारित व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की दूसरों, यहां तक कि चीन और रूस जैसे प्रतिद्वंद्वियों की मांग को अमेरिका के आईसीजे के वीटो से नुकसान और कमजोर हो सकता है।

यूएनएससी इजराइल को दंडित कर सकता है यदि वह एक प्रस्ताव अपनाता है जिसमें यह अनिवार्य है कि इजराइल विश्व न्यायालय के फैसलों का पालन करे। यात्रा प्रतिबंध, हथियार प्रतिबंध, और व्यापार या आर्थिक दंड अतीत के कुछ उदाहरण हैं।

अब ईरान पर हमला...जार्डन में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के बाद बाइडेन का सख्त संदेश

अमेरिकी सेना के खिलाफ पहले घातक हमले का जवाब देने की कसम खाई। अक्टूबर में। इस बीच, रिपब्लिकन सीनेटरों ने बाइडेन प्रशासन की आलोचना की और बिना किसी देरी के अधिक सशक्त सैन्य प्रतिक्रिया का आह्वान किया। सीरियाई सीमा के पास पूर्वोत्तर जॉर्डन में अमेरिकी चौकी पर रात भर हुए ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने और दर्जनों अन्य के घायल होने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल–हमास युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिकी सेना के खिलाफ पहले घातक हमले का जवाब देने की कसम खाई। अक्टूबर में। इस बीच, रिपब्लिकन सीनेटरों ने बाइडेन प्रशासन की

आलोचना की और बिना किसी देरी के अधिक सशक्त सैन्य प्रतिक्रिया का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक आखिरी बात मैं बताना चाहता हूं कि हमारा दिन कठिन था। दक्षिण कैरोलिना में एक चुनाव प्रचार कार्यक्रम में कहा कि पिछली रात जब हमने अपने एक बेस पर हमले में तीन बहादुर सैनिकों को खो दिया था। और मैं एक पल का मौन चाहता हूं। एक बयान में बाइडेन ने हमले के लिए ईरान समर्थित समूहों को दोषी ठहराया और कहा कि अमेरिका उन सभी जिम्मेदार लोगों को एक समय पर और अपनी पसंद के तरीके से जवाबदेह ठहराएगा। हमले के तुरंत बाद रिपब्लिकन सीनेटरों ने बिडेन प्रशासन की आलोचना की और ईरान के खिलाफ कठोर सैन्य प्रतिक्रिया का आह्वान करते हुए कहा कि ईरानी प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ हवाई हमलों की अमेरिका की नीति अब तक विफल रही है। बाइडेन ने हमले का जवाब देने का वादा किया, रिपब्लिकन सीनेटरों ने कहा कि मध्य पूर्व में ईरानी प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ हवाई हमलों की अमेरिकी प्रशासन की नीति अब तक विफल रही है।

जार्डन में ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत का जवाब देगा अमेरिका बाइडन

सैनिकों को आतंकी संगठन आईएसआईएस को स्थायी रूप से हराने के लिए वहां तैनात किया गया था। तीन अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन ने सैनिकों के सोने के कक्ष के पास हमला किया, जिससे हताहतों की संख्या अधिक हो गई। सीरिया के अल–तन्फ में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डा 'टॉवर 22' के उत्तर में सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर है। कोलंबिया। जॉर्डन में ईरान समर्थित समूह के ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत और कई सैनिकों के घायल होने से तिलमिलाए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि अमेरिका इसका ''जवाब'' देगा। इजराइल–हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से पश्चिम एशिया में अमेरिकी बलों के खिलाफ ऐसे समूहों द्वारा महीनों से जारी हमलों में पहली बार हुई अमेरिकी सैनिकों की मौत के लिए बाइडन ने ईरान समर्थित मिलिशिया को जिम्मेदार ठहराया। दक्षिण कैरोलाइना की यात्रा के दौरान बाइडन ने बैपटिस्ट चर्च के बैंक्वेट हॉल में एक सभा में क्षणभर का मौन रखा। बाइडन ने कहा, ''पश्चिम एशिया में हमारे लिए पिछली रात मुश्किल थी। हमने अपने एक सैन्य अड्डे पर हुए हमले में तीन बहादुर सैनिकों को खो दिया। हम जवाब देंगे।' 'डेर एजोर 24 मीडिया' के प्रमुख और यूरोप के कार्यकर्ता उमर अबू लैला के अनुसार, पूर्वी सीरिया में ईरान समर्थित लड़ाकों ने अमेरिकी हवाई हमलों के डर से अपनी चौकी खाली करनी शुरू कर दी है।

हैदराबाद टेस्ट में आचार संहिता के उल्लंघन पर बुमराह को आईसीसी ने लगाई फटकार, एक डिमेरिट अंक भी मिला

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' यह घटना इंग्लैंड की दूसरी पारी के 81वें ओवर की है जब बुमराह जान बूझकर ओली पोप के रास्ते में आ गए जब वह रन ले रहे थे जिससे अनुचित शारीरिक संपर्क भी हुआ।'' बुमराह को अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2 . 12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दुबई। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को हैदराबाद टेस्ट के दौरान रन लेते समय इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप के रास्ते में आने और उसकी वजह से अनुचित शारीरिक संपर्क के कारण फटकार और एक डिमेरिट अंक लगाया गया है। बुमराह का अपराध आईसीसी आचार संहिता के तहत लेवल एक का अपराध है। उनके अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया क्योंकि 24 महीने में यह उनका पहला अपराध है। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' यह घटना इंग्लैंड की दूसरी पारी के 81वें ओवर की है जब बुमराह जान बूझकर ओली पोप के रास्ते में आ गए जब वह रन ले रहे थे जिससे अनुचित शारीरिक संपर्क भी

हुआ।'' बुमराह को अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2 . 12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। बुमराह ने सजा स्वीकार कर ली जिससे मामले की औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायरों पॉल रीफेल और क्रिस गाफानी , तीसरे अंपायर मराइस इरास्मस और चौथे अंपायर रोहन पंडित ने बुमराह पर आरोप लगाया था। भारत यह मैच 28 रन से हार गया था।

दूसरे टेस्ट मैच में अगर रन नहीं बने तो..शुबमन गिल के बारे में ये क्या बोल गए पूर्व कोच

हार के बाद युवा बल्लेबाज शुबमन गिल पर भी सवाल उठ रहे हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच अनिल कुंबले का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे शुभमन गिल के पास टीम में जिस तरह की सुरक्षा है, वह कभी चेतेश्वर पुजारा को नहीं मिली। हैदराबाद टेस्ट गंवाने के बाद भारतीय टीम को लेकर तमाम दिग्गजों को हैरान है। हार के बाद युवा बल्लेबाज शुबमन गिल पर भी सवाल उठ रहे हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच अनिल कुंबले का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे शुभमन गिल के पास टीम में जिस तरह की सुरक्षा है, वह कभी चेतेश्वर पुजारा को नहीं मिली। अनिल कुंबले ने गिल को लेकर कहा कि, इस युवा बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अच्छा

प्रदर्शन करना होगा वरना काफी दबाव में आ जाएगा। गिल ने पिछली 11 टेस्ट पारियों में फिफ्टी नहीं लगाया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल मार्च में पहली पारी में 128 रन बनाए थे। उसके बाद से उनका सर्वोच्च स्कोर 36 रन रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पहली पारी में 23 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके। भारत को पहले मैच में 28 रन से पराजय झेलनी पड़ी।

कुंबले ने जियो सिनेमा से कहा कि, गिल को जो सुरक्षा मिली हुई है वह चेतेश्वर पुजारा को भी नहीं मिली थी जबकि पुजारा ने 100 से ज्यादा टेस्ट खेले हैं। मैं बार बार पुजारा की बात करता हूं क्योंकि वह कुछ समय पहले तक तीसरे नंबर पर उतरते थे। पुजारा ने विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल खेला और उसके बाद से शुभमन गिल तीसरे नंबर पर उतर रहा है।

36 साल की उम्र में पुजारा ने जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल खेला था जिसके बाद से वह टीम में नहीं हैं। इस महीने की शुरुआत में रणजी मैच में उन्होंने नाबाद 243 रन बनाए। कुंबले ने कहा कि गिल को अपनी मानसिकता पर काम करना होगा और तकनीक में भी सुधार करना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि, अगर आप भारत में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं तो तकनीक पर काम करना होगा। उसके पास हुनर है और वह युवा है। सीख रहा है लेकिन उसे दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलना होगा नहीं तो उस पर दबाव आ जाएगा।

भारत पांचवें स्थान पर खिसका, आस्ट्रेलिया हारकर भी पहले पायदान पर

दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला ड्रॉ खेलने के बाद भारत शीर्ष पर था लेकिन पाकिस्तान को हराकर आस्ट्रेलिया शिखर पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद भारत के 54 . 16 रैंकिंग अंक थे जो अब घटकर 43 . 33 हो गए हैं। आस्ट्रेलिया 55 अंक के साथ शीर्ष पर है। दुबई। इंग्लैंड के हाथों हैदराबाद में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारत विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप रैंकिंग में खिसककर पांचवें स्थान पर आ गया है। दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला ड्रॉ खेलने के बाद भारत शीर्ष पर था लेकिन पाकिस्तान को हराकर आस्ट्रेलिया शिखर पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद भारत के 54 . 16 रैंकिंग अंक थे जो अब घटकर 43 . 33 हो गए हैं। आस्ट्रेलिया 55 अंक के साथ शीर्ष पर है। वेस्टइंडीज के हाथों रविवार को आठ रन से मिली हार का भी उसकी रैंकिंग पर असर नहीं हुआ है। दक्षिण अफ्रीका , न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के 50 फीसदी अंक हैं और वे क्रमशरू दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। भारत के बाद पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका हैं। विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप 2023–2025 चक्र में टीम को एक जीत पर 12 अंक, ड्रॉ पर चार और टाई पर छह अंक मिलते हैं।

दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम को झटका, ये खिलाड़ी हो सकता है बाहर

रविंद्र जडेजा दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। पहले टेस्ट के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। चौथे दिन के खेल में वो बेन स्टोक्स के हाथों रन आउट हो गए थे। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी स्कैनिंग रिपोर्ट हैदराबाद से मुंबई भेज दी गई है। भारतीय टीम को हैदराबाद टेस्ट में मिली हार के बाद में इंग्लैंड ने 5 मैचों की सीरीज में 1–0 से बढ़त बनाई। दूसरी इनिंग में अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम इंडिया को मुकाबले में शिकस्त मिली। हार के बाद भारत को एक और तगड़ा झटका लगा है। खबरों की मानें तो रविंद्र जडेजा विशाखापट्टनम में होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, रविंद्र जडेजा दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। पहले टेस्ट के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। चौथे दिन के खेल में वो बेन स्टोक्स के हाथों रन आउट हो गए थे। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी स्कैनिंग रिपोर्ट हैदराबाद से मुंबई भेज दी गई है। जिसका आकलन सोमवार तक हो जाएगा, जिसके बाद ये तय किया जाएगा कि जडेजा को दूसरे मैच में मौका मिलेगा

या नहीं। पहली इनिंग में रविंद्र जडेजा ने 180 गेंदों में 87 रन बनाए थे। वहीं, दूसरी में वो 2 रन बनाकर रन आउट हो गए थे। गेंदबाजी करते हुए जड्डू ने इंग्लैंड की पहली इनिंग में 3 और दूसरी इनिंग में 2 विकेट लिए थे। अगर जडेजा बाहर हुए तो कुलदीप यादव को दूसरे टेस्ट में मौका मिल सकता है। फिलहाल, भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

अगले महीने पीसीबी के पास होगा पूर्णकालिक अध्यक्ष, मोहसिन नकवी दौड़ में सबसे आगे–सूत्र

दिसंबर 2022 से बोर्ड का कामकाज देख रही अंतरिम समिति का काय्रकाल चार फरवरी को खत्म हो रहा है। उसके बाद पीसीबी के गवर्निंग बोर्ड का नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू होगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने बताया है कि अगले महीने तक बोर्ड के पास पूर्णकालिक अध्यक्ष होगा

और पंजाब प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी दौड़ में सबसे आगे हैं। दिसंबर 2022 से बोर्ड का कामकाज देख रही अंतरिम समिति का काय्रकाल चार फरवरी को खत्म हो रहा है। उसके बाद पीसीबी के गवर्निंग बोर्ड का नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू होगी। पीसीबी के सूत्र ने बताया ,'' पीसीबी के पास एक नया अध्यक्ष आठ फरवरी को आम चुनाव के बाद होगा।'' पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री और पीसीबी के मुख्य संरक्षक अनवर उल हक काकर ने मोहसिन नकवी को गवर्निंग बोर्ड में नामित किया है। उनके एक अन्य उम्मीदवार मुस्तफा रामदे भी इसमें हैं।

27 साल बाद टेस्ट में वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया को उसी की सरजमीं पर हराया, श्रृंखला भी 1–1 से बराबरी की

एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही खुशी के मारे उछल पड़े। वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके श्रृंखला में 1–1 से बराबरी की। ब्रिसबेन। शामार जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने गाबा पर दिन रात का टेस्ट जीता जो आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में 27 साल बाद मिली जीत है। जोसेफ को वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क का यॉर्कर लगा था और उन्हें मैदान से जाना पड़ा था। उन्होंने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 68 रन देकर सात विकेट लिये और आस्ट्रेलिया को 207 रन पर आउट कर दिया। सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर नाबाद रहे। एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही खुशी के मारे उछल पड़े। वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके श्रृंखला में 1–1 से बराबरी की। वाका पर 1997 में दस विकेट से जीत दर्ज करने के बाद से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है। कैमरन ग्रीन और स्मिथ ने216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले घंटे में आस्ट्रेलिया को दो विकेट पर 60 रन तक पहुंचाया। जोसेफ ने लगातार दस ओवर डालते हुए पहले स्पैल में 60 रन देकर छह विकेट लिये। उस समय आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 29 रन की जरूरत थी और उसके दो विकेट बाकी थे। जोसेफ ने ग्रीन (42) को आउट करके 71 रन की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद अगली यॉर्कर पर ट्रेविस हेड को पवेलियन भेजा। मिचेल मार्श (10) और एलेक्स कारी (दो) भी टिक नहीं सके। स्टार्क ने 21 रन बनाये लेकिन कवर में केविन सिनक्लेयर को कैच देकर जोसेफ का पांचवां शिकार बने। वहीं पहली पारी में नाबाद 64 रन बनाने वाले पैट कमिंस दो रन बनाकर आउट हो गए। जोसेफ ने नाथन लियोन को डिनर ब्रेक के बाद आउट किया। स्मिथ ने जोसेफ को फाइन लेग पर छक्का लगाकर लक्ष्य एक अंक का कर दिया लेकिन हेजलवुड का आफ स्टम्प उखाड़कर जोसेफ ने वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।

पोप के 196 रन से इंग्लैंड का स्कोर 420 रन, भारत को 231 रन का लक्ष्य

लंच से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह ने उन्हें आउट करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया। बुमराह ने चार, रविचंद्रन अश्विन ने तीन और रविंद्र जडेजा ने दो विकेट लिये।हैदराबाद। ओली पोप के 196 रन की मदद से इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 420 रन बनाकर भारत के सामने पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिये 231 रन का लक्ष्य रखा है। पोप ने 278 गेंद में 21 चौकों की मदद से 196 रन बनाये। इंग्लैंड ने कल के स्कोर छह विकेट पर 316 रन से आगे खेलना शुरू किया था। भारतीय गेंदबाज कोई प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। भारत को अब दूसरी पारी में 231 रन बनाने होंगे ताकि पांच मैचों की श्रृंखला में 1 . 0 से बढत ले सके। भारतीय गेंदबाजी में 'प्लान बी ' का अभाव साफ नजर आया क्योंकि गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को आफ स्टम्प से बाहर या पैड पर गेंदें डाली। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में 400 से ऊपर स्कोर किया और भारत के खिलाफ 2012 के बाद दूसरी बार ही कोई टीम इस आंकड़े को छूने में कामयाब रही है। पोप ने टॉम हार्टली (35) के साथ 106 गेंद में 80 रन की साझेदारी की। उन्होंने रिवर्स स्वीप और स्वीप शॉट बखूबी खेले। रविचंद्रन अश्विन ने इस साझेदारी को तोड़कर हार्टली को आउट किया। इसके बाद भारत ने जल्दी विकेट चटकाये। जसप्रीत बुमराह ने धीमी गेंद पर पोप को आउट करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया। इससे पहले सुबह भी बुमराह ने रेहान अहमद को विकेट से पीछे लपकवाकर भारत को सफलता दिलाई थी। अहमद ने पोप के साथ सातवें विकेट के लिये 64 रन जोड़े।

सर्दियों में होंठ खो देते हैं अपनी नमी, इन घरेलू नुस्खों से बनाएं इन्हें मुलायम

जनवरी खत्म होने को है, लेकिन सर्दी कम होने का नाम नहीं ले रही है। सर्दियों में कई लोगों के होंठ फट जाते हैं।ठंड और सर्द हवा हमारे नाजुक होंठों की त्वचा पर कहर बरपा सकती है। इसके कारण होंठ फटने लगते हैं और अक्सर इनमें बेहद दर्द भी होता है।यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके होंठ ठंड के महीनों में भी मुलायम बने रहें, आइए हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताते हैं।सबसे पहले जानें सर्दियों में होंठ फटने के कारण

सर्दी के मौसम में होंठ कई कारणों से फटते हैं। इन कारणों में ठंडा तापमान और पर्यावरण में कम नमी शामिल हैं।साथ ही होंठ फटने पर अक्सर लोग उन्हें चाटते हैं, ऐसा करने से उन्हें लगता है कि वे होंठों को नम बना रहे हैं, लेकिन इसका विपरीत असर पड़ता है।ये सभी कारण त्वचा से प्राकृतिक तेल छीन लेते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन होता है और होंठ फट जाते हैं।

पानी का सेवन करें

होंठ पानी की कमी के कारण फंटते हैं, इसलिए अपने होंठों सहित अपने पूरे शरीर को अच्छी तरह से नमीयुक्त रखने के लिए सबसे अनिवार्य है पानी पीना।सर्दियों के दौरान पानी के सेवन को नजरअंदाज करना आसान होता है, लेकिन हाइड्रेटेड रहने से सूखेपन से लडने में मदद मिलती है।इसके लिए जरूरी है कि आप दिन भर में करीब 8 गिलास पानी पीएं।आप ऐसे फलों का सेवन करें, जो शरीर को हाइड्रेट करें।

लिप बाम का प्रयोग करें

होंठों की नमी बनाए रखने के लिए एक अच्छे और हाइड्रेटिंग लिप बाम में निवेश करें। शहद, शिया बटर या नारियल तेल जैसी सामग्री वाले लिप बाम का चयन करें।इसे पूरे दिन नियमित रूप से लगाएं, खासकर बाहर निकलने से पहले। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप कभी भी इसकी सुरक्षा से वंचित न रहें, अपनी जेब में एक लिप बाम अतिरिक्त रखें।बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं।

इनमें सबसे उपयुक्त लिप बाम चुनें।एक्सफोलिएट करें

होंठों को एक्सफोलिएट करने से बेजान त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद मिलती है और होंठ चिकने हो जाते हैं।शहद और चीनी के मिश्रण का उपयोग करके एक लिप स्क्रब बनाएं। स्क्रब को धीरे–धीरे अपने होंठों पर गोलाकार गति में मलें, फिर अच्छी तरह से धो लें।यह सरल एक्सफोलिएशन होंठों को फटने और परतदार होने से बचाने के लिए अद्भुत काम कर सकता है।इसके अलावा बाजार में भी एक्सफोलिएशन उत्पादों की भी कमी नहीं है।सुरक्षात्मक उपाय

सर्द हवा के सीधा चेहरे पर पडने से होंठ बेजान बन जाते हैं। मुंह को ढकने वाले स्कार्फ, मास्क या टर्टलनेक का उपयोग करके अपने होंठों को सर्दियों की कठोर हवाओं से बचाएं।यह अतिरिक्त परत ठंडी हवाओं के संपर्क को कम करने में मदद करती है।इसके साथ ही ये नमी को कम होने से रोकने के लिए भी लाभदायक उपाय हैं, जिससे आपके होंठ स्वस्थ और कोमल रहते हैं।हीटर से दूरी बनाएं इनडोर हीटर हवा को सूखा बना सकते हैं, जिससे होंठों में जलन हो सकती है।

घर के ये 4 काम रोज कर लें तो नहीं है अलग से वर्कआउट की जरूरत! पूरी तरह रहेंगे फिट

फिट और एक्टिव रहने के लिए हमें व्यायाम और वर्कआउट की जरूरत होती है. लेकिन व्यस्त दिनचर्या के कारण अकसर लोगों को इसके लिए अलग से समय निकालना मुश्किल लगता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर पर किए जाने वाले कुछ काम ही एक कंपलीट वर्कआउट का काम कर सकते हैं? इसके लिए आपको अलग से कोई भी एफर्ट नहीं डालना पडेगा. और आपको जिम जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी. ये काम आपके शरीर को आपको फिट रखेंगे. चलिए जानते हैं ये 5 घर का काम जो कर के आप पूरी तरह से फिट रह सकते हैं.

घर की सफाई

घर की सफाई जैसे – झाडू लगाना, पोंछा लगाना, बर्तन ध ोना आदि एक अच्छा व्यायाम है. इन सफाई का कामों को करते समय आपके हाथ–पैर लगातार चलते रहते हैं. शरीर के अलग–अलग भागों को मोडना, झुकना, साफ करने के लिए आगे–पीछे होना पड़ता है. ये सब शरीर को गतिशील बनाए

रखता है. साथ ही, इन कामों को करने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है जो आपके शरीर में संचित वसा से प्राप्त होती है. यानी ये काम कैलोरीज बर्न भी कराते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है.

बागवानी या गार्डनिंग

बागवानी या गार्डनिंग भी एक अच्छा व्यायाम है. पौधों की देखभाल के लिए उन्हें पानी देना, खरपतवार निकालना, घास काटना, खाद डालना आदि काम करने पड़ते हैं. इन सभी कामों को करते हुए आपका पूरा शरीर गतिशील रहता है. झुकना, मोडना, कुछ उठाना–रखना, फेंकना आदि से हाथ–पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं. साथ ही ये कार्य ऊर्जा की खपत करते हैं, यानी कैलोरीज बर्न भी होता है.

सीढियां चढना

सीढियां चढना और उतरना शरीर को फिट रखने का एक बहुत ही अच्छा तरीका है. अगर आप रोजाना कम से कम 10–15 मिनट के लिए सीढियां चढ़ें और उतरें तो इससे आपके पैरों और पूरे शरीर की मांसपेशियां मजबूत होंगी. सीढियां चढ़ते समय आपके पैर, पीठ, जांघों और जबड़े की मांसपेशियों पर खिंचाव पड़ता है जिससे वे मजबूत होती हैं. साथ ही यह आपका वजन भी नियंत्रित करने में मदद करता है. तो रोज सीढियों को अपना वर्कआउट पार्टनर बनाएं.

बक्स आफिस पर फाइटर का जलवा, 100 करोड़ क्लब शामिल होने से बस थोड़ी ही दूर

सिद्धार्थ आनंद की एरियल एक्शन फिल्म फाइटर बड़े पर्दे पर धूम मचा रही है. देशभक्ति से लबरेज फिल्म का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. वहीं सिल्वर स्क्रीन पर ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की सिजलिंग केमिस्ट्री भर दर्शकों को खूब पसंद आ रही है. 25 जनवरी यानी नॉन हॉलिडे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म की शुरुआत अच्छी रही. ऐसे में अब फिल्म के तीसरे दिन की कमाई के आंकड़ें भी सामने आ चुके हैं. तो आइए जानते हैं फाइटर ने शनिवार को कितनी उड़ान भरी है...ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण को लेकर फैंस के बीच गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है. भारत में बनी इस पहली एरियल एक्शन फिल्म है जिसपर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं. वहीं बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है. वहीं फिल्म को छुट्टी का भी खूब फायदा मिला है. बता दें कि फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर 22.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं दूसरे दिन की कमाई में गजब का इजाफा देखने को मिला. दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की फिल्म ने शुक्रवार को 39.5 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की. अब फाइटर का तीसरे दिन यानी शनिवार का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी सामने आ चुका है. तो आइए जानते हैं फिल्म ने अपने तीसरे दिन पर कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया...। रिपोर्ट के मुताबिक फ्शाइटरच ने अपनी तीसरे दिन पर 28 करोड़ रुपये की बंपर कमाई की है. इसी के साथ फ्शाइटरच का तीन दिनों का कलेक्शन फिलहाल 90 करोड़ रुपये हो गया है. बता दें कि ये रफ डाटा है. रात तक ऑफिशियल डाटा आने के बाद इन आंकड़ों में काफी इजाफा होने की उम्मीद है.जिस तरह से रिलीज के तीन दिन में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर ने कमाई की है, उसके हिसाब से ये मूवी बहुत जल्द ही 100 करोड़ के आंकड़े पार कर लेगी. वहीं

सिर्फ भारत नहीं, विदेशों में भी फाइटर को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. 250 करोड़ के बजट में बनी इस फाइटर में दीपिका रितिक के अलावा अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, और अक्षय ओबेरॉय संग अन्य एक्टर्स ने काम किया है.

बाक्स आफिस पर अभी भी बरकरार है हनुमान का जादू, 16वें दिन का कलेक्शन रहा शानदार

तेजा सज्जा की फिल्म हनुमान 12 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई थी. ये एक सुपरहीरो फिल्म है, जिसकी कहानी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है. वहीं रिलीज के इतने दिनों बाद भी प्रशांत वर्मा की माइथोलॉजिकल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाई हुई है. हालांकि, बीच में फिल्म की रफ्तार धीमी हुई थी. लेकिन अब फिर से फिल्म पटरी पर आ गई है. वहीं अब फिल्म के 16वें दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है. फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है. ओपनिंग डे पर 8.05 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली इस तेलुगु फिल्म को भी हिंदी बेल्ट में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. बेहद कम बजट में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. तो आइए जानते हैं फिल्म ने अपनी तीसरे शनिवार को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ रुपये का बिजनेस किया...। रिपोर्ट के मुताबिक श्हनुमानच ने रिलीज के 16वें दिन 6.25 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ श्हनुमानच का 16 दिनों का कुल कलेक्शन अब 164.75 करोड़ रुपये हो गया है. जल्द लेगी 200 करोड़ के क्लब में एंट्री अगर फिल्म इस तरह से आगे बढ़ती रही तो हनुमान जल्द ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो सकती है. हालांकि, अब हनुमान के सामने ऋतिक और दीपिका की फिल्म फाइटर भी खड़ी है. ऐसे में क्या फाइटर की कमाई के सामने तेजा सज्जा की फिल्म डगमगाती है या नहीं, ये तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा.

बता दें कि फाइटर से पहले हनुमान के साथ बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों का क्लैश देखने को मिला था. इस लिस्ट में मैरी क्रिसमस, अयलान, फिल्म गुंटूर कारम, कैप्टन मिलर जैसी फिल्में शामिल हैं. लेकिन कमाई के मामले में तेजा सज्जा ने महेश बाबू, ध नुष और शिवा कार्तिकेयन जैसे बड़े स्टार्स को कड़ी टक्कर दी और इन सभी फिल्मों को पछाड़ते हुए हनुमान बॉक्स ऑफिस पर काफी आगे निकल चुकी है. फिल्म की कहानी एक यंग लड़के की होती है, जिसे भगवान हनुमान की तरफ से सुपरपावर मिल जाती है. वहीं सुपरपावर मिलने के बाद यह लड़का अपने लोगों के लिए लड़ता है. तेजा ने इस यंग लड़के का किरदार निभाया है. वहीं सुपरहीरो के रूप में तेजा सज्जा को खूब पसंद किया है.

लावण्या त्रिपाठी की फिल्म मिस परफेक्ट का ट्रेलर रिलीज

मिस परफेक्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है. सुप्रसिद्ध अभिनेत्री और मेगा प्रिंस वरुण तेज की पत्नी लावण्या त्रिपाठी, स्काईलैब पर अपने असाधारण काम के लिए प्रसिद्ध विश्व खंडेराव के निर्देशन में बहुप्रतीक्षित तेलुगु वेब श्रृंखला, मिस परफेक्ट में स्क्रीन की शोभा बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं निर्माताओं ने हाल ही में ट्रेलर का अनावरण किया, और यह एक ताजा कहानी की एक आनंददायक झलक है जो महामारी के दौरान एक आवासीय परिसर के भीतर सामने आती है, जो प्रफुल्लित करने वाले क्षणों से भरपूर है।इस आगामी वेब श्रृंखला में, लावण्या एक युवा महिला का किरदार निभाती है जो अपने जीवन के हर पहलू में पूर्णता की निरंतर खोज करती है। ट्रेलर में उसके पड़ोसी, अभिजीत का परिचय दिया गया है, जो पूर्णता के लिए समान इच्छा साझा करता है। दिलचस्प मोड़ तब आता है जब लावण्या का किरदार अभिजीत के घर में लक्ष्मी नाम की नौकरानी के रूप में काम करने लगता है। ट्रेलर से यह स्पष्ट है कि मिस परफेक्ट हास्य और मनोरंजन से भरपूर कहानी का वादा करती है। ट्रेलर में अभिग्ना वुथलुरु, झाँसी और हर्षवर्धन सहित प्रमुख पात्रों का परिचय दिया गया है, जो मनोरंजन अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं। उच्चतम उत्पादन गुणवत्ता के साथ, वेब श्रृंखला 2 फरवरी को सात भाषाओं – तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी, बंगाली और मराठी में रिलीज होने के लिए तैयार है। बहुभाषी रिलीज मिस परफेक्ट की बहुप्रतीक्षित शुरुआत में एक रोमांचक आयाम जोड़ती है, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों के बीच उत्साह पैदा करती है।

अभिनेत्री केनिशा अवस्थी ने अपनी फिटनेस यात्रा साझा की, बताया कैसे कम किया 1 साल में 15 किलो वजन

अभिनेत्री केनिशा अवस्थी काफी सुंदर और प्रेरणादाई अभिनेत्री है। इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके 1.2 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स है, वह अपनी पोस्ट आकर्षक के साथ–साथ अपनी फिटनेस की वजह से भी चर्चा में रहती है। उनके जिम के वीडियो देखकर, लोग उनकी दिनचर्या के बारे में जानने के लिए उत्सुक हो जाते हैं। और आखिरकार उन्होंने खुद ही इस बात का खुलासा कर दिया। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, केनिशा ने खुलासा किया कि वह पिछले 1 साल में ऑरगेनीक तरीके से 15 किलोग्राम तक वजन कम करने में सफल रहीं। हाँ यह सही है। इस बारे में केनिशा ने बताया की, मैंने पिछले एक साल में 15 किलोग्राम वजन कम किया है। मैं अपने ट्रेनर निखिल भगत की वजह से ऐसा कर पाई, जो खुद एक एथलीट हैं। वह सुपर एथलीटों के साथ–साथ काफी मशहूर हस्तियों को भी ट्रेनिंग देते हैं। वजन कम करने का श्रेय एक खास वर्कआउट प्लान को जाता है जिसमे तरह तरह की कसरत शामिल है जैसे की कार्डियोवेसक्यूलर से लेके वेट ट्रेनिंग की कसरतें। इसमें वेट ट्रेनिंग ज्यादा थी और कार्डियो कम था क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना था कि इस प्रक्रिया में मेरे कोई मसल्स में दिक्कत ना हो। विचार दुबला और सुडौल बनने का था। इसके अलावा, मैंने अपना आहार बदल दिया है और अब मैं एक साथ की जगह हिस्सों में आहार ले रही हूं। इसलिए, शाम 5 बजे के बाद, मैं कोई कार्बोहाइड्रेट नहीं खाती हूं और इससे वास्तव में मदद मिली है।

इसके अलावा, मैं मैदा, जंक फूड, सैंडविच और अन्य किसी भी चीज का जंक फूड नहीं लेती। आजकल, मैं दिन में एक बार पूरा भोजन लेती हूं, जो या तो सुबह का भारी नाश्ता होता है या दोपहर का भारी भोजन होता है। विचार इसे प्रोटीन से भरपूर बनाने का है। मैं अपने आहार में अंडे और अनाज आदि को भी शामिल करने का प्रयास करती हूं। मुझे वास्तव में लगता है कि आहार ही इसका मुख्य कारण रहा है और इसके पीछे एक कठिन वजन–प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल है। मैं अभी और भी बहुत कुछ करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि अब, मैं अधिक प्रेरित हूं। अब, मैं और अधिक अधिक सुडौल शरीर बना रही हूँ और उम्मीद है कि मार्च के बीच में ही मैं इसे सफलतापूर्वक हासिल कर लूँगी। फिंगर क्रोसड।

वास्तव में अपने वजन घटाने के लिए इतनी मेहनत करने के लिए केनिशा को बध ाई। उम्मीद है कि वह कड़ी मेहनत करती रहेगी और अपने सभी लक्ष्य हासिल करती रहेगी। अधिक अपडेट के लिए बने रहें।

भूमि पेडनेकर रायल्स के साथ रखेंगी ओटीटी की दुनिया में कदम, ईशान खट्टर भी देंगे साथ

भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री आखिरी बार फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में दिखी थीं तो अब वह ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाली हैं।कहा जा रहा है कि अभिनेत्री नेटफ्लिक्स की रोमांटिक–ड्रामा सीरीज रॉयल्स का हिस्सा बन गई हैं, जिसके लिए उन्होंने ईशान खट्टर के साथ सहयोग किया है।अब ऐसे में दोनों सितारों को पहली बार साथ देखने के लिए प्रशंसक उत्सुक हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस रोमांटिक–ड्रामा सीरीज का निर्माण प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस (पीएनसी) कर रहा है, जो एमी पुरस्कार के लिए नामांकित सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज बना चुका है।फोर मोर शॉट्स प्लीज अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है और अब यह प्रोडक्शन हाउस नेटफ्लिक्स को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि शो फिलहाल प्री–प्रोडक्शन में है और कुछ महीनों के भीतर इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। इस सीरीज से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि भूमि एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती थीं, जिसकी कहानी एकदम अलग हो और वो व्यापक दर्शकों को आकर्षित करे।अब रॉयल्स में वह सब कुछ है, जिसे भूमि ने अपने पहले ओटीटी शो के लिए जरूरी समझा था। ऐसे में वह इसे दुनिया के सामने लाने का इंतजार नहीं कर सकती हैं।सूत्र ने कहा कि शो में भूमि की ईशान के साथ केमिस्ट्री देखने लायक होगी। रॉयल्स के लिए प्रोडक्शन कंपनी पीएनसी ने पहली बार नेटफ्लिक्स के लिए हाथ मिलाया है। इससे पहले यह कंपनी अमेजन प्राइम वीडियो के साथ 4 प्रोजेक्ट के लिए काम कर चुकी है, जिसमें से 3 आ चुके हैं।उनकी चौथी सीरीज नॉटोरियस गर्ल्स अभी प्रोडक्शन में है और इस साल उसके रिलीज होने की उम्मीद है। इस ड्रामा सीरीज में सिमरन, रेवती और नंदिता दास मुख्य भूमिका में हैं, वहीं निर्देशन की कमान शोनाली बोस ने संभाली है।भूमि की वेब सीरीज की अभी आधि ाकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उनकी 2 फिल्में जल्द रिलीज होंगी।रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की उनकी नेटफ्लिक्स थ्रिलर भक्षक 9 फरवरी को आनी वाली है तो इसके बाद वह मुदस्सर अजीज की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में दिखाई देंगी।इसके अलावा ईशान नेटफ्लिक्स सीरीज द परफेक्ट कपल से हॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और ये 2024 के मध्य में रिलीज होगी।हाल ही में इंडियन पुलिस फोर्स से सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। रवीना टंडन भी डिज्नी हॉटस्टार पर आई सीरीज कर्मा कॉलिंग कर्मा से अपनी शुरुआत कर चुकी हैं। इसके अलावा भी कई सितारे ओटीटी पर आएंगे।

हनुमान के निर्देशक प्रशांत वर्मा ने की जय हनुमान की घोषणा

हाल ही में रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म हनुमान के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद निर्देशक प्रशांत वर्मा ने आगामी फिल्म जय हनुमान फ्रेंचाइजी की अगली किस्त की तैयारी शुरू कर दी है। तेजा सज्जा, अमृता अय्यर, वरलक्ष्मी सरथकुमार और विनय राय अभिनीत हनुमान ने अभूतपूर्व सफलता दर्ज की है।फिल्म एक गांव के साधारण व्यक्ति की कहानी बताती है जो भगवान हनुमान से महाशक्तियां प्राप्त करता है और उनका उपयोग बुराई से लडने के लिए करता है।रिपोर्ट के अनुसार, मामूली बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में अब तक 164.75 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।यह फिल्म दुनिया भर में कई भाषाओं में रिलीज हुई थी। निर्देशक ने अपने अनुयायियों के साथ नई फिल्म की खबर शेयर करने के लिए एक्स का सहारा लिया।उन्होंने ट्वीट किया, दुनिया भर के दर्शकों से हनुमान को मिले अपार प्यार और समर्थन के लिए कृतज्ञता के साथ, मैं खुद से एक वादा कर एक नई यात्रा की दहलीज पर खड़ा हूं। जय हनुमान का प्री प्रोडक्शन राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन पर शुरू हुआ।प्रशांत ने कहा, मेरी ताकत हमारी संस्कृति के बारे में ज्ञान है। इसलिए मैंने सोचा कि हमें अपनी संस्कृति से बाहर एक सुपरहीरो की कहानी लानी चाहिए और फिर हनुमान का विचार आया। जय हनुमान की तैयारी शुरू होने के साथ ही प्रशांत ने समकालीन सिनेमा के साथ पौराणिक कथाओं का मिश्रण करते हुए, अपनी अनूठी कहानी कहने से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करना जारी रखा है।

नेहा धूपिया ने किया नो फिल्टर नेहा के छठे सीजन का ऐलान, जियो टीवी पर देख सकेंगे

भारतीय सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री नेहा धूपिया एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट रही हैं।पिछले 5 सफल सीजन के बाद नेहा ने हाल ही में अपने लोकप्रिय पॉडकास्ट शो नो फिल्टर नेहा के छठे सीजन का ऐलान किया है।अभिनेत्री ने 18 जनवरी (गुरुवार) को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर नो फिल्टर नेहा का बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) वीडियो साझा किया है, जिसमें वह खूब मस्ती करती नजर आ रही हैं।

नो फिल्टर नेहा के छठे सीजन को पहली बार वीडियो स्वरूप (वीडियो फार्मेट) पेश किया जाएगा।इस पॉडकास्ट शो का प्रीमियर जियो टीवी पर होगा।

फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।नेहा ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, आपको पर्दे के पीछे लेकर जा रही हूं। हम नो फिल्टर नेहा 6 के साथ लौट रहे हैं। जल्द ही लॉन्च हो रहा है।इसमें नेहा को फिल्म उद्योग की प्रसिद्ध हस्तियों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया जाएगा।

ब्लैक साड़ी में श्वेता तिवारी ने दिखाई हुस्न की कातिलाना अदाएं, तस्वीरों ने इंटरनेट पर काटा गदर

टेलीविजन इंडस्ट्री में कई ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती से फैंस के दिलों में जगह बनाई है. इन्हीं में से एक नाम है श्वेता तिवारी का, एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर अपने खूबसूरत फोटो अपलोड करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने फिर से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं. एक्ट्रेस श्वेता तिवारी टीवी इंडस्ट्री की स्टाइलिश और पॉपुलर अभिनेत्रियों में से एक हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अब हाल ही में श्वेता तिवारी ने ब्लैक साड़ी में तस्वीरें पोस्ट की हैं. श्वेता तिवारी ब्लैक साड़ी के अपने इस लुक में बला की खूबसूरत नजर आ रहीं हैं और साथ ही शानदार पोज भी दे रही हैं. यूजर्स उनके इस कातिलाना अंदाज को देखकर एक बार फिर से आहें भरने लगे हैं. एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपनी लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरों से लोगों का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लिया है. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस स्टाइलिश ब्लैक साड़ी के साथ डीप नैक ब्लाउज पहनी हुई हैं. ब्लैक साड़ी में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत और बोल्ड नजर आ रही हैं. वैसे भी श्वेता तिवारी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का पारा गर्म हो जाता है. एक्ट्रेस श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा पॉपुलर हैं और वह जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं, तो फैंस अक्सर उनके लुक पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं.

लोकसभा चुनाव हेतु भाजपा की तैयारी बैठक

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे सोमवार को क्षेत्र के औरा चौरी स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर पार्टी के जिला पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई । जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया है इसलिए सभी पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील है कि वो आगामी आने वाले अभियानों के क्रियान्वयन के लिए अपने आप को पूर्ण रूप से तैयार कर लें तथा पूरे मनोयोग से पार्टी से संबंधित कार्यों में लग जाएं, सरकार के कार्यों को जनता के बीच ले जाएं सभी मंडलों, शक्तिकेंद्रों को सक्रिय करके, बूथों पर पन्ना प्रमुखों से संपर्क करें ताकि हर बूथों पर भाजपा नंबर एक पर रहे ऐसा प्रयास हम सभी का हो । बैठक में जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, महामंत्री प्रमोद शाही, रविंद्र कौशल, लोकसभा संयोजक सी पी सिंह, अरविंद पांडे, अंकुर राय, प्रभाकर तिवारी, राजेंद्र विक्रम सिंह, अखंड सिंह, मारकंडे गिरी, सोनू तेजपाल सहित पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना'' के अन्तर्गत सोमवार को राबर्ट्सगंज मे किया गया

संवाददाता।

सोनभद्र। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना'' के अन्तर्गत सोमवार को राबर्ट्सगंज ब्लाक क्षेत्र के डायट परिसर उरमौरा में 59 जोड़ों व कोन ब्लाक के गैवन्ती देवी इण्टर कालेज मोहीउद्दीनपुर में 93 जोड़ों की धूम–धाम के साथ धार्मिक रीति–रिवाजों से कुल 152 जोड़ों की सरकारी खर्चे पर शादी सम्पन्न हुई। जिसमें 150 हिन्दू समाज के व 02 मुस्लिम समाज के जोड़ों की शादी सम्पन्न हुई तथा जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में शादी समारोह की सारी जिम्मेदारी जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर ने पूरे टीम के साथ संभाले हुए थे।डायट परिसर में आयोजित शादी समारोह कार्यक्रम में सांसद पकौड़ी लाल कोल, विधायक भूपेश चौबे, विधायक घोरावल के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मौर्य, खण्ड विकास अधिकारी राबर्ट्सगंज, सरकारी अधिकारी व कार्मिकगण की उपस्थिति में धार्मिक पूजा, जयमाल, सिन्दूरदान, शादी के सात फेरे कराकर शादी सम्पन्न करायी गयी। इसी प्रकार से विकास खण्ड कोन में पूर्व एमएलसी जय प्रकाश चतुर्वेदी, ब्लाक प्रमुख कोन रूबी मिश्रा, खण्ड विकास अधिकारी कोन, प्रधान संघ अध्यक्ष लक्ष्मी शंकर जायसवाल आदि की गरिमामयी उपस्थिति में शादी सम्पन्न करायी गयी। शादी समारोह में भोज का भी आयोजन किया गया था, शादी समारोह की तैयारी वर व वधु पक्ष द्वारा ध ार्मिक रीति–रिवाज के साथ की गयी। बाकायदे बारात आयी, बारात का स्वागत किया गया, वर व वधु पक्ष के लोगों का सेवा सत्कार किया गया, शादी समारोह में जहां हिन्दू समाज के 150 जोड़ों का हिन्दू रीति–रिवाज से शादी सम्पन्न हुई, वहीं 02 मुस्लिम जोड़ों की शादी निकाहनामे के साथ सम्पन्न करायी गयी। घराती व बाराती के पक्ष के जो नागरिक मौके पर पहुंचे सभी का सत्कार किया गया और लजीज पकवान भी खिलाये गये। डायट परिसर में आयोजित शादी समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक सदर भूपेश चौबे ने कहा कि भारत व प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित किया जाये, इसके लिए योजनाओं का प्रचार–प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जाये, जिससे कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित न रह सके। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि शादी में वधु को 35 हजार रूपये का स्वीकृति–पत्र और 10 हजार रूपये का घर–गृहस्थी का सामान दिया गया, सामान में विभिन्न प्रकार के बर्तन का सेट, चुनरी, साड़ी शादी के लिए एक सेट, वधु के लिए दो सेट साड़ी, 5 लीटर का प्रेशर कूकर, एक जोड़ी चांदी की पायल, दो जोड़ी चांदी की बीछिया आदि सरकार की तरफ से दिया गया। सरकार की तरफ से प्रति जोड़ा 51 हजार रूपये का खर्च किया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्ध नागरिकगण, स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों, मीडिया के पदाधिकारियों सहित वर तथा वधू पक्ष के परिवारजन आदि ने शादी समारोह कार्यक्रम में सकारात्मक सहयोग किया।

जुंआ खेलते 6 जुंआरी गिरफ्तार

संवाददाता।

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे गिरफ्तारी अभियान के क्रम में आज थाना जलालपुर पुलिस द्वारा 6 व्यक्तियो को ग्राम हरसुण्डी से जुंआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से कुल मालफड 1500 व जामा तलाशी 260 कुल 1760 रूपये व 52 अदद ताश पत्ता गड्डी बरामद हुई। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुअसं. 21ध2024 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधि ा. पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों में कुलदीप राजपूत पुत्र कल्लू उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम हरसुण्डी थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर, परमलाल लोधी पुत्र तीरथ सिंह उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम चण्डौत थाना जरिया जनपद हमीरपुर, रामकरन यादव पुत्र रामाधीन उम्र करीब 24 वर्ष निवासी हरसुण्डी थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर, विक्रम पुत्र रामरतन उम्र करीब 30 वर्ष निवासी हरसुण्डी थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर, सुरेन्द्र पुत्र मंगल सिंह उम्र करीब 20 वर्ष निवासी बरखेरा थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर, दिलीप राजपूत पुत्र अर्जुन सिंह उम्र करीब 24 वर्ष निवासी ग्राम हरसुण्डी थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर हमीरपुर के कब्जे से कुल मालफड 1500 व जामा तलाशी 260 कुल 1760 रूपये व 52 अदद ताश पत्ता की गड्डी बरामद हुई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक नरेन्द्र कुमार यादव, हेडकांस्टेबल अनुरूद्व सिंह, कांस्टेबल गुलाम गौस शामिल रहे।

अपहरण के दोषी नागेश्वर को सात वर्ष की कैद

संवाददाता।

सोनभद्र। साढ़े छह वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में अपर सत्र न्यायाधीशधविशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी नागेश्वर को सात वर्ष की कैद एवं 25 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 20 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता की मां ने पांच मई 2017 को शाहगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 25 अप्रैल 2017 को साढ़े चार बजे भोर में उसकी नाबालिक बेटी नित्य क्रिया के लिए निकली थी, जो वापस नहीं लौटी। उसकी हर संभावित जगहों पर तलाश की गई, लेकिन कहीं पता नहीं चला। बाद में पता चला कि जबसे बेटी गायब है तभी से नागेश्वर पुत्र रामा निवासी दुगौलिया, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र भी गायब है। जिससे पूर्ण विश्वास है कि उसकी नाबालिक बेटी को नागेश्वर ही बहला फुसलाकर भगा ले गया है। आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी नागेश्वर को सात वर्ष की कैद एवं 25 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

चोरी के माल सहित तीन अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता।

हमीरपुर । पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना राठ पुलिस द्वारा तीन व्यक्तियो को ब्रह्मानंद विद्यालय के गेट के पास जो महोबा रोड राठ के पास से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से चोरी किया गया माल एक अदद मंगलसूत्र पीली धातु, एक जोड़ी झुमकी पीली धातु व 1030 रु. नगद बरामद किया गया। जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मुअसं. 35ध24 धारा 457ध380ध411 भादसं. के वांछित अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार हुये अभियुक्तगण सत्यम पुत्र श्री महादेव निवासी लुधियातपुरा कस्वा व थाना राठ जपनद हमीरपुर उम्र करीब 25 वर्ष, इकबाल अली पुत्र कमर अली निवासी तिलक नगर थाना कोतवाली उरई जनपद जालौन उम्र करीब 45 वर्ष, शिवकुमार पुत्र मोहनलाल निवासी ग्राम जैतापुर थाना औरैया जनपद औरैया उम्र करीब 43 वर्ष है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक मनोज पाण्डेय, उपनिरीक्षक उमेश चन्द्र तिवारी, कांस्टेबल उपेन्द्र कुमार शामिल रहे।

प्रभावी पैरवी कर नाबालिक से छेड़खानी करने वाले अभियुक्त को 4 वर्ष के कठोर कारावास व 10,000 के अर्थदंड से किया दंडित

संवाददाता।

हमीरपुर। जनपद हमीरपुर थाना जरिया धारा 354ए भादसं. व 7ध8 पाक्सो एक्ट में 88 मई 2015 को थाना जरिया जनपद हमीरपुर में पंजीकृत अपराध संख्या 543ध2015, धारा 354ए भादसं. व 7ध8 पाक्सो एक्ट में अभियुक्त रमजानी पुत्र बल्लीय मुहम्मद निवासी मु. हटवारा कस्बा सरीला थाना जरिया हमीरपुर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किये जाने के फलस्वरुप आज न्यायालय पाक्सो कोर्ट जनपद हमीरपुर, द्वारा दोषसिद्ध पाये जाने पर अभियुक्त रमजानी को चार वर्ष के कठोर कारावास व 10,000 रु0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। विवेचक उपनिरीक्षक राजा दुबे थाना जरिया रहे। अभियुक्त द्वारा वादिया की पुत्री को घर में ले जाकर अश्लील हरकत करना। अभियोजक एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह रहे।

चोरी के माल सहित दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता।

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर के निर्देशन में वांछितध्वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध चलाए जा रहे गिरफ्तारी अभियान के क्रम में आज थाना सिसोलर पुलिस द्वारा मुअसं. 16ध2024 धारा 457ध380ध411 आईपीसी थाना सिसोलर से संबंधित वांछित अभियुक्तगण मानसिंह पुत्र महाराजीलाल व आशीष गुप्ता उर्फ छोटा पुत्र राममिलन गुप्ता को ग्राम सिसोलर अमृत सरोवर तालाब के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्तों के कब्जे से 13,541 रुपए चोरी का बरामद हुआ है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षकक महेन्द्र प्रसाद, हेडकांस्टेबल पंकज सिंह, कांस्टेबल अंचल पटैरिया शामिल रहे।

गैंगस्टर एक्ट–दोषी सगे भाइयों को 4–4 वर्ष की कैद

संवाददाता।

सोनभद्र । अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीसी/सीएडब्ल्यू सोनभद्र परितोष श्रेष्ठ की अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सगे भाइयों मिथिलेश जायसवाल और व्यासजी जायसवाल को 4–4 वर्ष की कैद एवं 5–5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक–एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक थानाध्यक्ष बीजपुर हरिश्चंद्र सरोज ने बीजपुर थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 30 सितंबर 2018 को पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में था तो पता चला कि मिथिलेश जायसवाल और व्यासजी जायसवाल पुत्रगण विष्णुकांती जायसवाल निवासी सिरसोती, थाना बीजपुर, जिला सोनभद्र का एक सक्रिय गैंग है, जिसका मिथिलेश जायसवाल गैंग लीडर है। इनके विरुद्ध हत्या का मुकदमा विचाराधीन है। लोगों में भय पैदा कर आर्थिक लाभ हेतु कार्य करना इनलोगो का एकमात्र कार्य है। यहीं वजह है कि इनके विरुद्ध कोई भी मुकदमा लिखवाने अथवा गवाही देने की जुर्रत नहीं करता है। जिसकी वजह से इनका वर्चस्व कायम है। इस तहरीर पर 30 सितंबर 2018 को बीजपुर थाने में गैंगस्टर एक्ट में एफआईआर दर्ज किया गया था।

विवेचना के उपरांत पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। इसी मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर गैग लीडर मिथिलेश जायसवाल और व्यासजी जायसवाल को 4– 4 वर्ष की कैद एवं 5– 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक– एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर कोर्ट धनंजय शुक्ला एडवोकेट ने बहस की।

योग साधक ही योग कक्षा की जान–रवि प्रकाश

सर्वश्रेष्ठ योग साधकों को टी शर्ट देकर किया गया सम्मानित

संवाददाता।

सोनभद्र । पतंजलि योग परिवार रावर्ट्सगंज इकाई द्वारा सोमवार को पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी के जन्मदिवस पर सर्वश्रेष्ठ योग साधकों का जप शर्ट देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि योग साधक ही योग कक्षा की जान हैं।

प्रमुख मार्गदर्शकों रमेश राम पाठक, एसपी सिंह, ओम प्रकाश यादव, सुनील कुमार श्रीवास्तव, शेषमणि तिवारी, भारत स्वाभिमान के जिला महामंत्री सुनील कुमार चौबे, किसान सेवा समिति के जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय, मिठाई लाल सोनी, विमला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिवनारायण लाल श्रीवास्तव, चंद्र बहादुर सिंह, दिनेश लाल श्रीवास्तव, विनोद कुमार मिश्रा की उपस्थिति में सोमवार को पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी के जन्मदिवस पर सर्वश्रेष्ठ योग साधकों का सम्मान किया गया। जिन योग साधकों का सम्मान हुआ है,ये एक ऐसे योग साधक है जो 365 दिनों में शायद ही कभी विषम परिस्थितियों में ही अनुपस्थित रहे हो। सोनभद्र बार सभागार नियमित योग कक्ष से रूप नारायण सिंह, मंडी योग समिति से एस0पी0मेहता, राजस्थान भवनध्मारवाड़ी धर्मशाला से लक्ष्मी नारायण पांडेय, दंणईत बाबा नियमित योग कक्ष से,गोपाल दास केशरी, 22 जनवरी 2024 को भव्य राम दरबार सजाने के लिए अजय कुमार पांडेय, पतंजलि योग के हर कार्यक्रम में अपने मधुर गीतों से सुशोभित करने वाले दयानंद मौर्य को प्रमुख मार्गदर्शकों द्वारा टी–शर्ट देकर सम्मानित किया गया। मार्गदर्शको एवं योग साधकों द्वारा पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी को भारतीय परंपरा के अनुसार रोली व चंदन लगाकर जन्म दिवस की अशेष बधाई व शुभ कामना दी गई तथा उनके स्वस्थ व दीर्घायु की कामना की गई। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर सभी योग साधकों को बधाई देने के लिए हृदय से आभार प्रकट किया तथा कहा की योग साधक ही योग कक्षा की जान है। इस मौके पर किसान सेवा समिति जिला प्रभारी अरुण कुमार यादव, तहसील प्रभारी दिलीप कुमार सिंह, पन्नालाल सोनी, गोपाल दास केसरी, डॉ मनोज चौधरी, धनंजय कुमार मिश्रा, राजू प्रसाद सोनी, देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार सिंह, उमेश कुमार तिवारी, धर्मेंद्र कुमार चौरसिया, नागेद्र नाथ चौबे, प्रेम प्रकाश शुक्ला, रामसेवक पांडेय

, अनुराग चौबे, समेत काफी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे। दयानंद मौर्य द्वारा बहुत ही सुंदर गीत प्रस्तुत की गई, कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनभद्र बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रमेश राम पाठक व संचालन वरिष्ठ योग शिक्षक सुनील कुमार श्रीवास्तव ने किया।

सुमेरपुर ब्रांच में डेढ़ माह से नहीं आया पानी किसान परेशान

संवाददाता।

सुमेरपुर–हमीरपुर। मौदहा बांध की सुमेरपुर ब्रांच में पिछले डेढ़ माह से पानी न आने से किसानों की गेहूं की फसल बर्बाद हो रही है। किसानों का आरोप है कि जब माइनर में पानी छोड़ा जाता है। तो बहुत कम क्षमता से छोड़ा जाता है। इससे दिक्कतें होती हैं। मौदहा बांध की सुमेरपुर ब्रांच की माइनर से ब्लांक की ग्राम पंचायत बण्डा, मवईजार, चंदौलीजार, विदोखर पुरई, विदोखर मेदनी के साथ शादीपुर मौजा के किसानों को पानी मुहैय्या होता है। बण्डा के किसान संजय सिंह, शंकर लाल यादव, मवईजार के पूर्व प्रधान महेश शिवहरे, श्यामलाल विश्वकर्मा, चंदौलीजार के रामगोपाल, विदोखर के बच्चा परिहार, नीरज, शादीपुर मौजा के किसान ऐनुद्दीन आदि ने बताया कि 15 दिसंबर से माइनर में पानी नहीं आया है। किसानों का आरोप है कि जब भी पानी छोड़ा जाता है। बहुत ही कम क्षमता से छोड़ा जाता है। इससे पानी लगाने में दिक्कत होती है। मौदहा बांध के अवर अभियंता राजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि छानी ब्रांच में पानी चल रहा है। तीन दिन में छानी ब्रांच का रोस्टर पूर्ण होगा। इसके बाद सुमेरपुर ब्रांच को पानी दिया जाएगा।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता।

सुमेरपुर–हमीरपुर। सुमेरपुर थाना क्षेत्र के इंगोहटा गांव में रविवार की रात आटो चालक ने अज्ञात कारणों के चलते फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इंगोहटा निवासी शिवशंकर का पुत्र आटो चालक रामतोला उर्फ हनुमान दीक्षित 45 वर्ष अज्ञात कारणों के चलते रविवार की रात को फंदा लगा लिया। परिजनों की नजर पहुंचने के पहले ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। युवक की मौत से परिजनो में कोहराम मचा हुआ है। मृतक अपने पीछे पत्नी आरती, पुत्री रोशनी 13 वर्ष, वंशु 6 वर्ष सहित भाई मुन्ना, रामभरोसे, छोटू को रोता बिलखता छोड़ गया है। बड़े भाई रामभरोसे ने बताया कि हनुमान तीसरे नंबर का भाई था। किन कारणों से फंदा लगाया जानकारी नहीं है। थानाध्यक्ष रामआसरे सरोज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

एनसीएल एनएससी ने ग्राम छतौली में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता सोनभद्र। नेहरू शताब्दी चिकित्सालय, जयंत (एनसीएल) ने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत रविवार को छतौली गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान उपस्थित सभी का चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा नेत्र रोग, बाल रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग, सर्जरी और सामान्य चिकित्सा हेतु निरूशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान कुल 332 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही कुल 50 रोगियों को आगे जांच हेतु रेफर किया गया।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश प्रसाद (स्त्री रोग), डॉ. अभिषेक प्रभाकर (आर्थोपेडिक्स), डॉ. वंदना लोधी (बाल रोग)

नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का हुआ आयोजन

सोनभद्र। प्रदेश सरकार द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद में रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद एवं विजय कुमार यादव अधि ाशासी अधिकारी की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

संवाददाता।

सोनभद्र। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस, सरोजनीनगर, लखनऊ के द्वारा अपने पत्र 27 जनवरी,2024 के माध्यम से हज कमेटी ऑफ इन्डिया, मुम्बई के द्वारा जारी सर्कुलर–4 के अन्तर्गत हज–2024 के लिए हज यात्रियों को सुविधा प्रदान किये जाने हेतु सऊदी अरब में खादिमुल हुज्जाज (हाजी सेवक) के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन हज कमेटी आफ इण्डिया की वेबसाइट ीजजचरूध्धींरबवउउपजमम.हवअ.पद पर किया जायेगा व निर्धारित प्रपत्र अपलोड किये जाएंगे, ऑनलाइन आवेदन अन्तिम तिथि 15 फरवरी,2024 तक होगा।

कांग्रेस द्वारा किए गए कार्यों की लोगों द्वारा मिल रही सराहना

संवाददाता। सोनभद्र। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय (पूर्व–कैबिनेट मंत्रीध पूर्व–विधायक) द्वारा 26 जनवरी से लेकर 30 जनवरी तक चलने वाली ब्लॉक बार यात्रा में आज राबर्ट्सगंज ब्लॉक में उचडीह, देउरी, महुएसर, ओइनी, जमसोखर में यात्रा आगे की ओर बढ़ी, राबर्ट्सगंज ब्लॉक के अध्यक्ष अमरेश देव पांडे की अध्यक्षता में चल रही यात्रा में उन्होंने कहा कि आज यात्रा का चौथा दिन है लगातार चल रहे यात्रा में लोगों का आशीर्वाद हम लोगों को मिल रहा है और कांग्रेस पार्टी सबको साथ लेकर चलने का काम करती है। उसमें लोग हमारी यात्रा में हमसे जुड़ रहे हैं और राहुल जी की यात्रा को भी समर्थन दे रहे है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे(आशु) ने कहा कि राबर्ट्सगंज ब्लॉक के शहर में जहां व्यापारी, नौजवानों, युवाओं का समर्थन मिल रहा है वही गांव में किस किसान, दलित, आदिवासी, महिलाओं के साथ समस्त जनमानस का आशीर्वाद और साथ हम लोगों की इस यात्रा में मिल रहा है, जहां एक ओर व्यापारियों के व्यापार में कमी हुई है, वहीं किसान वजन कम होने के साथ यूरिया की महंगाई व डीजल के रेट को लेकर परेशान है, नौजवान जहां अपने भविष्य और नौकरी को लेकर तो वही महिला सुरक्षा पर भी लगातार सवाल उठते दिख रहे हैं यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि 2024 में उम्मीद की किरण के रूप में राहुल गांधी सबको दिख रहे हैं और उनकी यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा जो उनके द्वारा की जा रही है उसका परिणाम होने वाले 2024 के चुनाव में देखने को मिलेगा।

मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में नजर सिंह(पूर्व–प्रधान), विजय शंकर पांडे (न्याय पंचायत अध्यक्ष दुरावल कला), श्रीकांत मिश्रा, ब्लॉक उपाध्यक्ष राबर्ट्सगंज विजय पटेल, अंशु मद्धेसिया (विधानसभा उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस राबर्ट्सगंज), बूथ अध्यक्ष अजय मौर्य, गुड्डू भारती, रोहित, राजेंद्र, राधेश्याम, बुल्लू, प्रेम सागर, कोटेदार, संजय कुमार (बीडीसी), मोती चंद, दसरथ, गुलाब,दिनेश, विजय, संदीप, रोहित कुमार, उमा भारती रहे।

नया साल कुछ इस तरह मनाया जाए, रोते हुए शख्श को हंसाया जाये डा. गणेश सिंह

सुमेरपुर–हमीरपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के क्रांतितीर्थ के तत्वावधान में गणेश चतुर्थी को काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था ने कवि गणेश सिंह विद्यार्थी का सारश्वत सम्मान किया गया। मां वीणापाणि और गणेश भगवान की पूजा अर्चना के पश्चात् वरिष्ठ कवि हरीराम गुप्ता निरपेक्ष ने सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया। उन्होंने पढ़ा प्रेम सत्यम शिवम सुंदरम, प्रेम में मन रमाया करो, राजेंद्र प्रेमी ने पढ़ा गीत कोई ऐसा गाओ तुम, साथ तुम्हारे मैं भी गांऊ। वीरेंद्र पाल शजर ने पढ़ा बहो तो बहो तुम नदी की तरह, खिलो तो खिलो उस लिली की तरह। हरिकिशन सेन ने पढ़ा बना तिरंगा देश में वतन परस्ती का, लोग देने लगे जान हाल हुआ ये मस्ती का।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।